गैरसैंण, सोमवार
16 दिसम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 211 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979 संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

फांसी लगा जान दी

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप में शनिवार देर रात पति के साथ हुए झगड़े के बाद पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शनिवार देर रात डॉयल 112 पर थाना ट्रांजिट कैंप के रात्रि अधिकारी विजय कुमार को सूचना मिली कि स्वास्तिक कॉलोनी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से घटना की जानकारी ली। इस दौरान पुलिस को पता चला कि रम्पुरा निवासी राज पुत्र सुखवीर ट्रांजिट कैंप की स्वास्तिक कॉलोनी में अपनी पत्नी 21 वर्षीया पार्वती मंडल के साथ किराये के मकान में रहता है। छह माह पहले दोनों की शादी हुई थी। शनिवार देर रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर नाराज होकर पति राज छत पर चला गया। जब कुछ देर बाद वापस लौटा तो पत्नी कमरे में पंखे के कुंडे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी मिली। थाना ट्रांजिट कैंप प्रभारी मोहन चंद्र पांडे ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रविवार को शव का पंचनामा तहसीलदार की मौजूदगी में भरा गया।

कैंटर से टकराने के बाद बस से भिड़ी कार, बाल–बाल बचे यात्री

रुद्रपुर। टांडा रोड पर संजय वन के पास रविवार को ओवरटेक के चलते एक कार पहले कैंटर से टकराई और इसके बाद अनियंत्रित होकर हरियाणा रोडवेज की बस से भिड़ गई। इस दौरान एयरबैग खुलने से कार सवारों को चोट नहीं आई। वहीं कैंटर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर रुक गया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस के मुताबिक, हल्द्वानी निवासी एक युवक रविवार शाम कार से अपने पिता के साथ रुद्रपुर आ रहा था। इस दौरान वह टांडा रेंज संजय वन के पास पहुंचा। यहां ओवरटेक करने के दौरान सामने की ओर से आ रहे एक कैंटर के पीछे का हिस्सा उसकी कार से टकरा गया। हादसे में कैंटर और कार दोनों अनियंत्रित हो गए। इस दौरान कार सामने से आ रही हरियाणा रोडवेज की बस से टकरा गई। इस बीच बस ने ब्रेक लगा लिए और कार के एयरबैग खुल गए। गनीमत रही कि हादसे में कार और बस में सवार लोगों को चोट नहीं आई। बस में 11 यात्री सवार थे। इस बीच कैंटर सड़क किनारे एक पेड़ से टकराकर रुक गया। इधर, सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। थाना पंतनगर प्रभारी सुंदरम शर्मा ने बताया कि हादसे की सूचना पर एसआई राजेंद्र पंत मौके पर गए थे। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। प्रथमदृष्ट्या ओवरटेक के चलते हादसा होने की आशंका जताई गई है। हादसे के बाद कार चालक ने बस और ट्रक में जो नुकसान हुआ, उसे ठीक कराने की बात कही है।

दशौला बडियार के करन बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

अल्मोड़ा। धौलादेवी ब्लॉक की तहसील भनोली अंतर्गत ग्राम दशौला बडियार निवासी करन सिंह बिष्ट भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर संपूर्ण क्षेत्र में हर्ष की लहर है। उल्लेखनीय है कि मूल रूप से ग्राम दशौला बडियार निवासी सेवानिवृत्त सूबेदार कैलाश सिंह बिष्ट और तारा बिष्ट के पुत्र करन सिंह बिष्ट पासिंग आउट परेड के बाद सेना में अफसर बन गए हैं। करन को बचपन से ही एडवेंचर और सेना में जाने का शौक रहा था। वह शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल देहरादून के छात्र रहे हैं। देश सेवा का जुनून और जज्बा इन्हें सैन्य प्रशिक्षण की ओर खींच लाया। इसके लिए इन्होंने काफी कठिन परिश्रम भी किया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की रात तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपति को जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। चालक ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। दंपति के बेटे की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। ज्वालापुर कोतवाली पुलिस के अनुसार, ग्राम नूरपुर पंजनहेड़ी थाना कनखल निवासी मनोज कुमार अपनी पत्नी सरवेश चौहान के साथ रिश्तेदारी में बहादराबाद गए थे।

तख्तापलट के बाद अब यूनुस सरकार का नया फरमान

करेंसी नोटों से हटेगी राष्ट्रपिता की तस्वीर

ढाका ,बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार निशाना बनाया जा रहा है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस कई बड़े फैसले ले रहे हैं। इस बीच अब यूनुस सरकार ने बांग्लादेश के ह्यराष्ट्रपिताह्ल और देश के संस्थापक सदस्यों में से एक शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर को अपने करेंसी नोटों से हटाने का फैसला लिया है।

केंद्रीय बैंक ने नए नोट छापने शुरू किए

बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक ने जुलाई में हुए विद्रोह की विशेषताओं वाले नए नोट छापना शुरू कर दिया है, जो हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ छात्रों द्वारा किए गए आरक्षण विरोधी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा था। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के निर्देश के अनुसार, केंद्रीय बैंक ने 20, 100, 500 और 1000 टका (बांग्लादेशी रुपया) के बैंक नोट छापने शुरू कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नए नोटों में शेख मुजबिर रहमान की तस्वीर नहीं होगी। केंद्रीय बैंक ने आगे कहा कि धार्मिक संरचनाएं, बंगाली परंपराएं और जुलाई के विरोध प्रदर्शनों के दौरान बनाई गई भित्तिचित्र नए नोटों में शामिल किए जाएंगे। बांग्लादेश बैंक की प्रवक्ता और कार्यकारी निदेशक हुस्नेरा शिखा ने कहा कि मुद्रण की प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अगले छह महीनों के भीतर नए नोट बाजार में जारी किए जा सकते हैं।

एकलव्य–द्रोणाचार्य बयान पर भडक़े साधु–संत, बोले राहुल गांधी हिन्दू विरोधी

अयोध्या लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एकलव्य–द्रोणाचार्य की कहानी सुनाते हुए भाजपा सरकार को घेरा। राहुल गांधी के बयान द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा काटा' को लेकर संत समाज बेहद नाराज है। संतों का कहना है कि ये हिंदू विरोधी टिप्पणी है। अयोध्या धाम मणि रामदास छावनी के उत्तराधिकारी कमल नयनदास ने राहुल गांधी को उनके बयान के लिए हिन्दू विरोधी बताया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी मूर्ख हैं। एकलव्य ने श्रद्धापूर्वक गुरु द्रोणाचार्य को गुरु दक्षिणा के तौर पर अंगुठा दिया था। राहुल गांधी हमेशा देश द्रोह, धर्म द्रोह की बात करते हैं। उन्हें कठोर दंड दिया जाना चाहिए। राहुल गांधी हिन्दुओं के ही नहीं बल्कि राष्ट्र विरोधी हैं। उन्हें किसी प्रकार से माफ नहीं किया जाना चाहिए। उनके पास एक ही काम है वह लगातार हिन्दू और राष्ट्र के विरोध में रहते हैं। राम जन्म भूमि अयोध्या धाम के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, राहुल गांधी हिन्दू विरोधी बात करते हैं। उन्हें पता नहीं है कि क्या बोलना है। वह कह रहे हैं कि दोणाचार्य ने एकलव्य का अंगुठा काटा। यह गलत है सरासर झूठ है। वह विपक्ष के नेता हैं उन्हें अपनी भाषा पर ध्यान देना होगा। जिस तरह का बयान उन्होंने लोकसभा में दिया है इससे हिन्दुओं का अपमान हुआ है इसलिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। बार–बार हिन्दुओं को अपमानित करने के लिए बयान देते रहते हैं।

माता–पिता का साया खोने वाले खैनुरी के तीन अनाथ बच्चों की मदद को मुख्यमंत्री धामी ने बढ़ाया हाथ

अनाथ बच्चों के घर पहुंचाई भरण–पोषण की आवश्यक वस्तुएं और सामग्री

देहरादून। चमोली जिले के खैनुरी गांव में माता–पिता का साया खोने के बाद परेशानियों में जीवन यापन कर रहे तीन अनाथ बच्चों की मदद को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाथ बढाया है। मामला संज्ञान में आने पर मुख्यमंत्री ने चमोली प्रशासन की टीम के माध्यम से अनाथ बच्चों के भरण पोषण और सर्दी से बचाव के लिए आवश्यक सामग्री पहुंचाई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर रविवार को चमोली प्रशासन की टीम ने खैनूरी गांव पहुंच कर मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों के लिए भेजी गई आवश्यक वस्तुएं उन्हें उपलब्ध कराई। वहीं मुख्यमंत्री ने अनाथ बच्चों के लिए सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

गौरतलब है कि खैनुरी गांव निवासी नैन सिंह की अक्तूबर माह में बीमारी से मृत्यु हो गई। जबकि उनकी पत्नी स्वर्गीय कुसम देवी की मृत्यु वर्ष 2020 में हो गई थी। ऐसे में उनकी दो बेटियां संजना और साक्षी के साथ ही बेटा आयुष बेसहारा हो गए। हालांकि गांव के ग्राम प्रधान वींरेंद्र सिंह के साथ ही ग्रामीणों की ओर से बच्चों को सहारा दिया जा रहा है। लेकिन माँ–पिता का साया सर से उठने के चलते बच्चों के सम्मुख आर्थिक संकट खड़ा हो गया। ऐसे में मामले की जानकारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मिलने पर उन्होंने जिला प्रशासन को बच्चों की त्वरित सहायता करते हुए अन्य व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। जिस पर रविवार को उप राजस्व निरीक्षक अनुज बंडवाल के नेतृत्व में प्रशासन की टीम ने बच्चों के घर पहुंच कर सर्दी से बचाव के लिए बच्चों को कम्बल, गर्म कपड़े, फल और पोषण की अन्य सामग्री उपलब्ध कराई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक ने बच्चों के आवास और शौचालय का निरीक्षण भी किया।

बांग्लादेशी हिंदुओं के मामले में कड़े कदम उठाए सरकारः शंकराचार्य

हरिद्वार। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कहा कि देश में जिस पार्टी की सरकार है, उसके कार्यकर्ता तो प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार इस विषय पर कुछ नहीं बोल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मामले में आशा के अनुरूप अभी तक कार्य नहीं किया है। सरकार को मामले में जल्द कड़े कदम उठाने चाहिए। रविवार को ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने चंडीघाट के नमामि गंगे घाट पर शीतकालीन चारधाम यात्रा की शुरुआत की। यात्रा शुरू करने से पहले शंकराचार्य ने गंगा की पूजा–अर्चना की। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि हमें आशा थी कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, तो भारत सरकार बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में आवाज उठाएगी, लेकिन सरकार मामले में कुछ बोल नहीं रही है। सरकार को जल्द कड़े कदम उठाकर पूरे विश्व के हिंदुओं और विभिन्न देशों की सरकारों को संदेश देना चाहिए कि दूसरे देशों में रहने वाले हिंदुओं को कोई छुएगा तो भारत सरकार उन हिंदुओं के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री धामी के प्रयास को सराहा

शीतकालीन चारधाम यात्रा पर शंकराचार्य ने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में ग्रीष्मकालीन स्थान पर भगवान की पूजा होती है। ऐसे ही शीतकाल के समय में शीतकालीन स्थान पर भगवान की पूजा जारी रहती है। कपाट बंद होने के बाद भगवान की पूजा बंद नहीं होती है। वर्षभर चारधाम यात्रा चलती रहती है। भ्रम की स्थिति लोगों में बनी हुई थी कि कपाट बंद होने के बाद चारधाम की पूजा बंद हो जाती है। इस भ्रम को तोड़ने के लिए शीतकालीन चारधाम यात्रा की शुरुआत की गई है। लगातार दूसरे साल वह शीतकालीन चारधाम यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शीतकालीन चारधाम यात्रा में रुचि ली है। सरकार अपने स्तर से काम कर रही है। हम धार्मिक व्यक्ति अपने स्तर से काम कर रहे हैं। शीतकालीन चारधाम यात्रा को लेकर सरकार जागृत है। इससे लोगों की लाभ होगा।

रंजिश में भाजपा नेता पर हमला, सिर में आए पांच टांके

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप में शनिवार रात रंजिश के चलते कुछ युवकों ने घात लगाकर भाजपा नेता गिरीश राठौर पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनके सिर में पांच टांके लगाए गए हैं। घटना के दौरान कुछ दूरी पर पुलिस कर्मी भी मौजूद थे, इसके बावजूद आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। रविवार को उनके बेटे ने पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिवनगर वार्ड 8 निवासी अरुण कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे उनके पिता गिरीश राठौर को शिवनगर निवासी एक युवक ने घर पर बुलाया था। इस पर उनके पिता थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस कर्मियों के साथ युवक के घर के पास पहुंचे। इस दौरान पहले से ही 10 से 12 युवक रास्ते में घात लगाकर बैठे थे। आरोप है कि युवकों ने पुलिस कर्मियों के सामने ही उनके पिता पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल दिया।

यातायात व्यवस्था कोहरे की मार, ट्रेन हो रही लेटलतीफी का शिकार

दिल्ली। कोहरा एक बार फिर यात्रियों के लिए परेशानी लेकर आया है। इसका असर यातायात व्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में पड़ने वाले इस कोहरे ने ट्रेनों की रफ्तार को थाम दिया है। वहीं, राष्ट्रीय सड़क मार्ग पर भी वाहनों की चाल को थामा है। इस वजह से मुसाफिरों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं, सुबह के वक्त एयरपोर्ट से भी विमानों की आवाजाही में विशेष सावधानी बरती जा रही है। दृश्यता घटने की वजह से विमानों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड की ठिठुरन के साथ ही रेलवे ट्रैक पर कोहरा की वजह से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लगातार ट्रेन दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर 2–4 घंटे की देरी से पहुंच रही है। इस वजह से वापसी दिशा में भी जाने वाली ट्रेन अपने नियत समय पर रवाना होने की जगह परिवर्तित समय से चल रही है। ट्रेनों की इस लेटलतीफी की वजह से यात्री भी हलकान हो गए है। हालांकि रेलवे ने फॉग डिवाइस लगाकर कुछ राहत देने का भी काम किया है। उधर, दिल्ली एयरपोर्ट से भी 30 से अधिक विमान विभिन्न वजहों से देरी से संचालित हुई।

हर दिन 50—60 ट्रेन हो रही है प्रभावित

पिछले दस दिनों से लगातार ट्रेनों की लेटलतीफी बढ़ती ही जा रही है। इसका मुख्य वजह रेलवे कोहरा को मान रहा है। रविवार को सुबह 6 बजे तक दिल्ली पहुंचने वाली 35 से अधिक ट्रेन देरी का शिकार हुई। इनमें मुख्य रूप से पतालकोट एक्सप्रेस करीब 4 घंटे की देरी से चली। इसी तरह गोंडवाना सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2 घंटे 5 मिनट लेट हुई। कालिंदी एक्सप्रेस करीब ढाई घंटे वहीं पूर्वा दो घंटे, काशी विश्वनाथ ढाई घंटे, कालिंदी करीब 3 घंटे, फरक्का पौने दो घंटे की देरी से चली।

महाकुंभ में 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था कर रही उत्तर प्रदेश सरकार

लखनऊ,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के 45 दिन (13 जनवरी से 26 फरवरी) के दौरान 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए तैयारी कर रही है।

सरकार का अनुमान है कि 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर मुख्य मुहूर्त में प्रयागराज में छह करोड़ श्रद्धालु स्नान करेंगे, लेकिन तैयारी 10 करोड़ की होगी। महाकुंभ के लिए 12 किमी की लंबाई में घाट तैयार किए जा रहे हैं। कुल 10 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुम्भ का विस्तार किया गया है। यहां चार धाम के भी दर्शन होंगे। द्वादश ज्योतिर्लिंग और अन्य प्रमुख ज्योतिर्लिंग के भी दर्शन होंगे। प्रयागराज कुम्भ, खोया–पाया के बारे में एआई टूल, भाषिणी ऐप के माध्यम से देश की 11 भाषाओं में सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कुंभ में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की गिनती भी सरकार के पास होगी। जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, 1.50 लाख शौचालय, सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री कुंभ होगा। यह महाकुंभ उत्तर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के रोडमैप को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक होगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। संभल के मुद्दे पर भी उन्होंने बड़ी बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि रविवार को लोकसभा में चर्चा संविधान के 75 साल की गौरवशाली यात्रा पर हो रही थी और मुद्दा संभल का उठ रहा था। उन्हीं के समय में 46 वर्ष पहले संभल में जिस मंदिर को बंद कर दिया गया, वह मंदिर फिर से सबके सामने आ गया और इनकी वास्तविकता को सबके सामने प्रस्तुत कर दिया। संभल में इतना प्राचीन मंदिर, बजरंग बली की प्राचीन मूर्ति और ज्योतिर्लिंग रातों–रात तो नहीं आई। उन्होंने कहा कि 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया था, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली। संभल में जिनकी निर्मम हत्या हुई, उन निदोषों का क्या कसूर था। जो भी सच बोलेगा, उसे धमकी दी जाएगी, मुंह बंद कराने का प्रयास होगा।

मुसीबत में पंजाबी सिंगर राज जुझार, एनआरआई महिला ने दर्ज कराया केस

जालंधर ,पंजाबी सिंगर राज जुझार के खिलाफ एक एनआरआई महिला ने शनिवार को मामला दर्ज कराया। कैनेडियन सिटीजन महिला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गायक पर गंभीर आरोप लगाए। कनाडाई महिला की शिकायत पर गायक राज जुझार के खिलाफ पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 406, 420 के तहत मामला दर्ज किया। महिला ने प्रेस वार्ता में बताया कि राज जुझार से उसकी मुलाकात साल 2006 में हुई थी और जुझार ने उसे झांसे में लेकर फंसाया और लाखों रुपये ऐंठ लिए। महिला ने पंजाबी गायक पर और भी गंभीर आरोप लगाए। राज जुझार आपत्तिजनक गाने बनाने को लेकर विवाद में भी पड़ चुके हैं।

साल 2018 में उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरे कॉल मिलने की सूचना पुलिस को दी थी। जालंधर के निवासी गायक ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने प्रशंसकों को जानकारी देते हुए उन्हें परेशान करने वाले कॉल के बारे में बताया था। राज ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह बताते नजर आए थे कि एक स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय, उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया, जिसमें उन्हें धमकी देते हुए अनुचित गीतों के कारण उन्हें जान से मारने की बात कही गई थी।

आज पेश नहीं होगा वन नेशन, वन इलेक्शन बिल

नई दिल्ली , वन नेशन, वन इलेक्शन का बिल सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं होगा। लोकसभा की संशोधित तालिका में भी यह बिल सूचीबद्ध नहीं है। इस बिल की कॉपी लोकसभा के सभी सांसदों को भेज दी गई है, ताकि वो इसका अध्ययन कर सकें। 20 दिसंबर तक संसद का शीतकालीन सत्र है। अगर सोमवार को इस बिल को लोकसभा में पेश नहीं किया गया, तो ऐसी स्थिति में महज इसे पेश करने के लिए चार दिन शेष रह जाएंगे। 12 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस बिल को मंजूरी दे दी गई थी। कैबिनेट ने दो ड्रॉफ्ट कानूनों को मंजूरी दी थी। जिसमें से एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है, जबकि दूसरा विधेयक विधानसभाओं वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के एक साथ चुनाव कराने के संबंध में हैं। वहीं, वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर राजनीतिक गलियारों में अलग–अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कोई इसका समर्थन कर रहा है, तो कोई इसका विरोध कर रहा है। भाजपा नेता और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएएनएस से बातचीत में वन नेशन वन इलेक्शन की पैरोकारी की थी। उन्होंने कहा था, एक देश, एक चुनाव देश के हित में है। इससे विकास में कोई रुकावट नहीं आती। खर्चों में कटौती होगी और पैसे की बचत होगी। अगर हम 1967 तक देखें, तो देश में एक देश, एक चुनाव ही हो रहा था और उस समय संघीय संरचना पर कोई आंच नहीं आई थी। यह कहना कि संघीय संरचना पर चोट पड़ रही है, गलत है। वास्तव में, यह देश को और मजबूत बनाएगा और विकास को गति देगा। अगर कहीं कुछ बदलाव होंगे, तो वह कानून के अनुसार होंगे और लोग उस पर अपनी राय देंगे। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता हुसैन दलवई ने आईएएनएस से बातचीत में कहा था, यह नुकसानदेह होगा, क्योंकि हमारे देश में संघीय ढांचा है। ऐतिहासिक रूप से भारत कभी भी एक इकाई के रूप में एकीकृत नहीं था। यह ब्रिटिश काल के दौरान और महात्मा गांधी के आंदोलन के प्रयासों के माध्यम से एक साथ आया, इसे याद रखना चाहिए। हर क्षेत्र की भाषा और संस्कृति अलग–अलग है। केंद्र के दिमाग में वन नेशन–वन इलेक्शन का मतलब एक पार्टी का रूल है। केंद्र सरकार यहां पर एक पार्टी का रूल लाना चाहती है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि वह यह नहीं ला पाएंगे। संविधान में उसका कोई स्थान नहीं है। वन नेशन–वन इलेक्शन लोग नहीं मानेंगे।

दिल्ली : आप ने जारी की चौथी लिस्ट, केजरीवाल नई दिल्ली से, सीएम आतिशी कालका जी से लड़ेंगी चुनाव

नई दिल्ली ,दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को अपनी चौथी और आखिरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में आप ने 38 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी कालका जी और सौरभ भारद्वाज को ग्रेटर कैलाश से टिकट दिया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने बुराड़ी से संजीव झा, बादली से अजेश यादव, रिठाला से मोहिंदर गोयल, बवाना से जय भगवान, सुल्तानपुर माजरा से मुकेश कुमार अहलावत,नांगलोई जाट से रघुविंदर शौकीन, शालीमार बाग से बंदना कुमारी, शकूरबस्ती से सत्येंद्र कुमार जैन, त्रिनगर से प्रीति तोमर, वजीरपुर से राजेश गुप्ता, मॉडल टाउन से अखिलेश पति त्रिपाठी को टिकट दिया है।

वहीं, सदर बाजार से सोम दत्ता, मटिया महल से शोएब इकबाल, बल्लीमारान से इमरान हुसैन, करोल बाग से विशेष रवि, मोती नगर से शिव चरण गोयल,राजौरी गार्डन से धनवती चंदेला, हरिनगर से राजकुमार ढिल्लों, तिलक नगर से जनरैल सिंह, विकासपुरी से महेंद्र यादव, उत्तम नगर से पोष बालियान, द्वारका से विनय मिश्रा,दिल्ली कैंटोनमेंट से वीरेंद्र सिंह कादियान को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके अलावा पार्टी ने राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक, कस्तूरबा नगर से रमेश पहलवान, मालवीय नगर से सोमनाथ भारती, आरके पुरम से प्रमिला टोकस, महरौली से नरेश यादव, अंबेडकर नगर से अजय दत्त, संगम विहार से दिनेश मोंगिया, तुगलकाबाद से साईं राम, ओखला से अमानतुल्लाह खां, कोंडली से कुलदीप कुमार, बाबरपुर से गोपाल राय और गोकलपुर से सुरेंद्र कुमार को अपना उम्मीदवार बनाया है।

वरुण धवन दिल्ली में अमित शाह से मिले, बोले–इनके सामने तो हम सब बेबी हैं

मुंबई । बॉलीवुड स्टार वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन के प्रचार में व्यस्त हैं। एक्टर ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वरुण धवन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अमित शाह के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है। जिसमें दोनों को मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। वरुण ने अमित शाह के लिए लिखा, इनके सामने तो हम सब बेबी हैं। वरुण ने अमित शाह से मिलकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। दिल्ली में एक कार्यक्रम में वरुण धवन की अमित शाह से मुलाकात हुई, जहां उन्होंने एक दिलचस्प सवाल पूछा; राम और रावण में सबसे बड़ा अंतर क्या है? अमित शाह ने कहा कि राम और रावण के बीच मुख्य अंतर उनके कर्तव्यों या धर्म को पूरा करने के उनके अलग–अलग तरीकों में निहित है। उन्होंने बताया कि राम जैसे लोगों के लिए, उनके व्यक्तिगत हित उनके कर्तव्य की भावना से निर्देशित होते हैं,

किसानों ने सरकार को दिया एक दिन का समय, दिल्ली कूच 8 तक स्थगित

नई दिल्ली ,शंभू सीमा पर किसानों का दिल्ली कूच का प्रयास एक बार फिर विफल हो गया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने आंसू गैस के गोले छोड़े जाने और कुछ किसानों के घायल होने के बाद किसानों के जत्थे को वापस बुलाने का ऐलान किया है। पंढेर ने सरकार पर किसानों के साथ दुश्मनी का व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने बताया कि अब 101 किसानों का जत्था रविवार दोपहर 12 बजे दिल्ली की ओर बढ़ेगा। पंढेर ने कहा कि हरियाणा पुलिस के एसपी से हुई बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एसपी से केंद्र सरकार से बातचीत की मांग की है और विशेष रूप से कृषि मंत्री से बात करने की इच्छा जताई है। पुलिस अधिकारी ने किसान नेताओं को आश्वासन दिया है कि उनकी मांग को केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाएगा। इसे देखते हुए किसानों ने एक दिन का समय केंद्र सरकार को दिया है। इस दौरान वे अपने घायल साथियों के स्वास्थ्य की भी देखभाल करेंगे। शुक्रवार को 101 किसानों का एक जत्था शंभू सीमा से दिल्ली की ओर पैदल मार्च पर निकला था, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने बहुस्तरीय बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तनातनी हुई और सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस के गोले छोड़े।

इस घटना में 5–6 किसान घायल हो गए हैं। हरियाणा सरकार ने किसानों के आंदोलन को देखते हुए अंबाला जिले में धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लगा दी है और पांच या उससे अधिक लोगों के किसी भी गैरकानूनी जमावड़े पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सम्पादकीय

पहचानें आयुर्वेद की ताकत

आयुर्वेद स्वास्थ्य क्षेत्र की एक ऐसी विधा है जिसमें आज भी बड़ी संख्या में विश्वास करने वाले लोग हैं। कहते हैं कि कई जटिल से जटिल रोग जिनका इलाज तमाम अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद भी नहीं होता उन्हें योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सा के के पर्यवेक्षण में ठीक किया जा सकता है। शर्त यह है कि आयुर्वेद का जानकार जड़ी बूटियां के बारे में अच्छा ज्ञान रखता हो और दवा को किस अनुपात और किस प्रकार से लेना है इस संबंध में उचित मार्गदर्शन कर सके। उत्तराखंड में आयुर्वेद को लेकर एक बड़ा आयोजन किया गया है जिसमें देश–विदेश के लोग भारत में आयुर्वेद की ताकत और उपयोगिता के दर्शन कर रहे हैं। निसंदेह आयुर्वेद प्रभावकारी है और इसे चिकित्सीय क्षेत्र में प्रोन्नत करने के लिए उचित प्लेटफार्म की अभी भी जरूरत है। आयुर्वेद के बारे में विश्व भर की जिज्ञासा ही है कि उत्तराखंड राज्य में संपन्न हुए इस आयोजन में देश–विदेश के आयुर्वेद विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, प्रैक्टिशनर्स और शिक्षाविदों की भागीदारी देखने को मिली। यह आयोजन न केवल आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने का अवसर था, बल्कि वैश्विक मंच पर आयुर्वेद को मजबूती से स्थापित करने का प्रयास भी है। आयुर्वेद का महत्व हमारे वेदों से लेकर दूसरे हिंदू धर्म ग्रंथो में प्रमुखता के साथ बखान किया गया है लेकिन पश्चिमी आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने कहीं ना कहीं भारत की अन्य चिकित्सा पद्धतियों को पनपने ही नहीं दिया। आयुर्वेद के नाम पर आज भी तमाम कंपनियां मानक विपरीत उत्पाद बना रहे हैं जिनका उद्देश्य केवल व्यवसाय है और इससे इनका सेवन करने वालों को लंबे समय तक लाभ नहीं होता, लेकिन आज भी वैद्य और आयुर्वेदिक चिकित्सक आयुर्वेदिक पद्धति पर ही जटिल से जटिल बीमारियों को दूर करने की योग्यता भी रखते हैं, जो यह साबित करता है कि आयुर्वेद और जड़ी बूटियां में वह असीम ताकत और गुण छिपे हुए हैं जिन्हें मरीज तक पहुंचने के लिए एक सस्ते और मजबूत प्लेटफार्म की जरूरत है। आयुर्वेद के विकास के लिए इसे रोजगार से जोड़ने की भी जरूरत है और खास तौर से उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार यहां औषधीय पौधों की खेती, उनके औद्योगिक उपयोग, और वैश्विक बाजार में उपस्थिति भी दर्ज करानी होगी। मल्टीनेशनल कंपनियों ने आयुर्वेदिक पर भी अपना कब्जा जमा लिया है और स्थानीय आयुर्वेद का ज्ञान रखने वाले आज भी उपेक्षित है। आयुर्वेद के विकास के लिए राज्य सरकारों को इस पर एक लक्ष्य बनाकर कार्य करना होगा ताकि आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान को एकीकृत कर एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जा सके। आयुर्वेद को दूसरी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के समानांतर चलाने की जरूरत है ताकि उपचार के सभी विकल्प खुले रहे।

एक निर्दयी शासन का अंत दूसरे निर्दयी शासन को जन्म

श्रुति व्यास

लोकतंत्र के झंडाबरदार पश्चिमी देश, इन देशों की नई शुरुआत में मददगार नहीं हुए। जैसा कि अफगानिस्तान के मामले में हुआ, अब वे इस सोच–विचार में डूबे हुए हैं कि उन देशों में बगावत को सफल बनाने के लिए वे क्या कर सकते थे। क्या इससे ज्यादा आत्ममुग्ध होना संभव है? जो हुआ उसकी वजह बहुत और सीधी है। बगावत के बाद ईरान से रूस तक, और पश्चिम देशों से लेकर तक क्षेत्रीय ताकतों तक सभी इन देशों में अपना दबदबा कायम करने में जुटे। इसके अलावा, इस्लामवादी समूह भी सक्रिय थे जो चाहते थे कि उनकी मर्जी चले और सत्ता पर उनका प्रभाव रहे। लेकिन सबसे बड़ी भूल हालातों को समझने में हुई। लोकतंत्र के लिए मात्र यह पर्याप्त नहीं होता कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हों। उसके लिए बातों को समझने, जानने और उनमें रूचि लेने वाले नागरिकों, सभी पक्षों को स्वीकार्य नियम–कानूनों और इस सांझे भरोसे की भी जरूरत होती है कि राजनैतिक मतभेद देश के अस्तित्व के लिए खतरा नहीं बनेंगे। सीरिया पर असद का राज खत्म होना एक राहत भरी खबर है लेकिन अनिश्चितता के हालात हैं। इस्लामिक उग्रपंथियां का गठबंधन एक बड़ा खतरा है। हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस), जिसकी इस तख्तापलट में सबसे बड़ी भूमिका थी, काफी शक्तिशाली है। अमेरिका इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। देश में अपना दबदबा कायम करने के लिए एचटीएस को एक अन्य तुर्की–समर्थित संगठन, जिसका प्रभाव क्षेत्र उत्तरी सीरिया है, और कुर्दिश नेतृत्व वाले पूर्वी सीरिया के एक धर्मनिरपेक्ष गठबंधन, जिसे अमेरिका का समर्थन हासिल है, से निपटना होगा।

मनमानी और लोगों को दबा कर शासन करने वालों का राज एक न एक दिन खत्म होता ही है। और जब उनके राज का अंत होता है तो वह निष्ठुर होता है। और उन देशों में भी जहां लोकतंत्र दिखावे का है। हाल के दशकों पर निगाह डालें। शेख हसीना का क्या हुआ? सद्दाम हुसैन, गद्दाफी, जीन अल अबिदीन बेन अली, होस्नी मुबारक आदि की सूची में अब बशर अल–असद का नाम भी जुड़ गया है।

असद परिवार के पचास साला राज के खात्मे का सभी और स्वागत है। सीरिया में लोगों ने राहत की सांस ली। वहां 'एक नई शुरूआत' और बाकी दुनिया से नए सिरे से संबंध कायम करने को लेकर जश्न का माहौल है। पश्चिम ने असद सरकार के तख्तापलट पर अपनी प्रसन्नता और हर्ष बेबाकी से जाहिर की है।लेकिन एक ऐसे देश के लिए नई शुरूआत कैसी होगी जिसने सिर्फ निर्ममता भुगती है? वे एक नई शुरूआत कैसे करेंगे जबकि उन्होंने जीवन भर सिर्फ दमन देखा–भोगा है? इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि इस्लामिक उग्रवादियों और आतंकवादियों का गठबंधन 'ताजी शुरूआत' का प्रतीक भला कैसे बन सकता है? भविष्य में वे क्या करेंगे यह कोई नहीं जानता। ऐसे में क्या इनके सत्ता पर काबिज होने का जश्न मनाया जाना चाहिए?दस साल पहले मिस्त्र, लीबिया, टयूनीशिया और यमन झ जहां तानाशाहों का तख्ता पलट दिया गया था झ में खुशियां मनाईं गईं थीं और सुनहरे, आजादी भरे दिनों का इंतजार था। उम्मीदों का कोई ठिकाना न था। सारी दुनिया ने तानाशाहों का राज खत्म होने की थी। ये चार देश क्रांति की सफलता की नजीर बन गए थे। उसे अरब स्प्रिंग कहा गया था। लेकिन आज इन देशों में जो हालात हैं वे हमारे लिए एक चेतावनी हैं। मिस्त्र में लोकतंत्र अधिक समय तक कायम न रह सका। लीबिया, टयूनीशिया और यमन गृहयुद्ध में फंस गए। ये विदेशी ताकतों का अखाड़ा हुए। खाड़ी के अमीर देशों ने वहां अपने लोगों को सत्ता पर काबिज कराने और अन्य देशों में अलोकतांत्रिक शक्तियों की मदद के लिए बेशुमार पैसा खर्च किया। आज इस क्षेत्र में 2010 से भी कम आजादी है झ और ज्यादातर पैमानों पर इन देशों के हालात खराब ही हैं। लोकतंत्र के झंडाबरदार पश्चिमी देश, इन देशों की नई शुरुआत में मददगार नहीं हुए। जैसा कि अफगानिस्तान के मामले में हुआ, अब वे इस सोच–विचार में डूबे हुए हैं कि उन देशों में बगावत को सफल बनाने के लिए वे क्या कर सकते थे। क्या इससे ज्यादा आत्ममुग्ध होना संभव है?जो हुआ उसकी वजह बहुत और सीधी है। बगावत के बाद ईरान से रूस तक, और पश्चिम देशों से लेकर तक क्षेत्रीय ताकतों तक झ सभी इन देशों में अपना दबदबा कायम करने में जुटे। इसके अलावा, इस्लामवादी समूह भी सक्रिय थे जो चाहते थे कि उनकी मर्जी चले और सत्ता पर उनका प्रभाव रहे। लेकिन सबसे बड़ी भूल हालातों को समझने में हुई। लोकतंत्र के लिए मात्र यह पर्याप्त नहीं होता कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हों। उसके लिए बातों को समझने, जानने और उनमें रूचि लेने वाले नागरिकों, सभी पक्षों को स्वीकार्य नियम–कानूनों और इस सांझे भरोसे की भी जरूरत होती है कि राजनैतिक मतभेद देश के अस्तित्व के लिए खतरा नहीं बनेंगे। सीरिया पर असद का राज खत्म होना एक राहत भरी खबर है लेकिन अनिश्चितता के हालात हैं। इस्लामिक उग्रपंथियां का गठबंधन एक बड़ा खतरा है। हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस), जिसकी इस तख्तापलट में सबसे बड़ी भूमिका थी, काफी शक्तिशाली है। अमेरिका इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। देश में अपना दबदबा कायम करने के लिए एचटीएस को एक अन्य तुर्की–समर्थित संगठन, जिसका प्रभाव क्षेत्र उत्तरी सीरिया है, और कुर्दिश नेतृत्व वाले पूर्वी सीरिया के एक धर्मनिरपेक्ष गठबंधन, जिसे अमेरिका का समर्थन हासिल है, से निपटना होगा। हालांकि एचटीएस अपनी छवि एक उदारवादी और नर्मदिल संगठन की बनाने की कोशिश कर रहा है, जो ईसाईयों, ड्रूसों और असद के समर्थन के मुख्य आधार शिया समुदाय के अलावतियों समेत सीरिया के विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना चाहता है। लेकिन यह तभी संभव हो सकेगा जब असद के बाद के दौर के सीरिया के शासन के संचालन के संबंध में इन समुदायों के साथ इस संगठन का कोई समझौता हो। यदि ऐसा नहीं हुआ तो गृहयुद्ध चलता रहेगा क्योंकि विभिन्न अल्पसंख्यक समूहों के लडाके, नई केन्द्रीय सरकार को अपने–अपने इलाकों में घुसने से रोकने के लिए खड़े हो जाएंगे।

जहां तक विदेशी शक्तियों का सवाल है, तुर्की ने अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश शुरू कर दी है। तुर्की, सीरिया में राजनैतिक स्थिरता इसलिए भी चाहता है क्योंकि तुर्की में रह रहे 30 लाख सीरियाई शरणार्थी तब तक अपने देश वापिस नहीं जाएंगे जब तक वहां से असद का नामोनिशां मिट नहीं जाता। राष्ट्रपति अदीगान को शरणार्थियों को वापिस भेजने में असफल रहने के लिए देश में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन तुर्की किस सीमा तक एचटीएस को अपने नियंत्रण में रख सकेगा, यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। अदीगान का एचटीएस के नेता अबू मोहम्मद अल–जोलानी पर कितना प्रभाव है, यह स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा ईरान और रूस की प्रतिक्रिया क्या होगी और वे कौन–से कदम उठाएंगे, यह समय बताएगा। ईरान का मानना है कि एचटीएस के सशक्त होने और आगे बढने में इजराइल और अमेरिका का मुख्य योगदान रहा है। उसका दावा है कि इजराइल इस संघर्ष का लाभ उठाकर सीरिया के रास्ते ईरान से लेबनान पहुंचाए जाने वाले हथियारों के मार्ग को बंद करना चाहता है। यह बात सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर कही जा रही है, खासकर शियाओं द्वारा। सीरिया का घटनाक्रम निश्चित ही क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा। असद परिवार का राज खत्म होना उतना ही बुरा है जितना उनका शासन था। इसलिए दुनिया को और बुरे हालातों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया के इस इलाके में अनिश्चितता है और कष्टपूर्ण हालात हैं। कुछ देश पूरी तरह असफल हो चुके हैं और कुछ ऐसे है जो अपनी युवा आबादी को बेहतर भविष्य देने में सक्षम नहीं हैं। बगावतें, कामयाब कम होती हैं और नाकामयाब ज्यादा। वे अक्सर चार दिन की चांदनी साबित होती हैं। पश्चिम एशिया में एक निर्दयी शासन का अंत दूसरे निर्दयी शासन को जन्म देता है झ जो उतना ही या उससे ज्यादा बर्बर होता है। लोकतंत्र, स्वतंत्रता, उम्मीद और समृद्धि इस क्षेत्र को रास नहीं आते।

एक और अफगानिस्तान बन सकता है सीरिया

श्रुति व्यास

सीरिया किसका होगा? वहां मची अफरातफरी का फायदा कौन–कौन उठाएगा? वहां की ज़मीन पर किसकी मर्जी चलेगी? ये कुछ सवाल हैं जिनका जवाब खोजने के लिए ज्ञानीजन, गुप्तचर संस्थाएं और पूरी दुनिया वहां के घटनाक्रम पर पैनी निगाहें रखे हुए हैं।

इस टूटे–बिखरे देश की कुंडली में शायद यही सब लिखा है। यह देश अब स्वयं अपने लिए एक बोझ है। लेकिन सिर्फ अपना फायदा देखने वाली ताकतों के लिए यह एक जायजाद है, अपना प्रभुत्व कायम करने की जगह है। बशर अल–असद, जो सीरिया से भागकर मास्को पहुंच गए हैं, के अचानक तख्तापलट के बाद से सीरिया में कई स्थानों पर बमबारी हुई है। जाहिर है पश्चिम एशिया की इलाकाई ताकतें सीरिया में अपने हितों की रक्षा के लिए छीना–झपटी कर रही हैं। इजराइल, तुर्की और अमेरिका ने वहां हमले किये हैं और असद के पुराने दोस्त रूस और ईरान भी सीरिया के भविष्य के निर्धारण में अपनी भूमिका चाहते हैं।

जाहिर है आने वाले समय में जो चुनौतियाँ इस देश के सामने होंगी, उनसे पार पाना आसान नहीं होगा।

सीरिया पिछले कई दशकों से बर्बरता का शिकार रहा है। वहां के गृहयुद्ध में तीन लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सन् 2011 से अब तक करीब एक लाख लोग या तो लापता हो गए हैं या उन्हें गायब कर दिया गया है। वे अब कहां हैं झ और कहीं हैं भी कि नहीं झ इसका खौफनाक हिसाब–किताब अब शुरू होने वाला है। देश की करीब आधी आबादी (1.20 करोड़ लोग) अपने घर–बार छोडने पर मजबूर कर दिए गए। दसियों हजार बिना मुकदमों के जेलों में बंद हैं। उन्हें भीषण यातनाएं दी गईं हैं। अब जेलें धीरे–धीरे खाली हो रही हैं, और गुस्से और कड़वाहट से भरे, शरीर और मन से घायल और बदले की आग में जल रहे लोगों का सैलाब पहले से ही तहस–नहस समाज में वापिस लौट रहा है। तुर्की और जोर्डन में रह रहे दसियों लाख शरणार्थी बड़ी संख्या में वापिस आ सकते हैं। यूके और अन्य यूरोपीय देशों ने भी कहा है कि असद का राज समाप्त होने के बाद वे सीरियाईयों के शरण देने के आवेदनों पर आगे की कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। आस्ट्रिया पहले से सीरियाईयों को वापिस भेजने का सिलसिला शुरू कर चुका है। मानवीय एवं सुरक्षा आपदा देश पर मंडरा रही है।

इस बीच एचटीएस के प्रमुख अबू मोहम्मद अल–जोलानी, जिसके अलकायदा से रिश्ते रहे हैं, और जो एक इनामी आतंकवादी से एक राष्ट्र का मुक्तिदाता बन गया हैं, ने भविष्य की अपनी योजनाओं की एक झलक पेश की है। दमिश्क की प्रसिद्ध उम्मेयाद मस्जिद में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीरिया कड़ी मेहनत से 'इस्लामिक देशों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बनेगा"।

उनके ये शब्द कान खड़े करने वाले हैं!

एचटीएस द्वारा 2016 में अलकायदा से संबंध तोड़ लेने के बाद से अबू मोहम्मद अल–जोलानी के नेतृत्व में इदलिब से दमिश्क तक हमलों का सिलसिला चला और इस दौरान संगठन की छवि एक मध्यमार्गी या कम कट्टर संगठन की बनाने का प्रयास किया गया। सीएनएन के साथ एक इंटरव्यू में अल–जोलानी ने कहा कि वे सीरिया के अल्पसंख्यकों का सम्मान करेंगे और यह भी कि किसी भी समूह को किसी अन्य समूह को नष्ट करने का अधिकार नहीं है। अल्लेपो से आ रही शुरूआती खबरों के मुताबिक शहर पर एक हफ्ते पहले हुए एचटीएस के कब्जे के बाद से वहां के ईसाई अल्पसंख्यकों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है।

मगर सवाल यह है कि जोलानी किस तरह के इस्लामिक राष्ट्र की बात कर कर रहे हैं?

अमेरिका, रूस और संयुक्त राष्ट्रसंघ झ सभी जोलानी को आतंकवादी और एचटीएस को आतंकी संगठन मानते हैं। इसलिए यदि सत्ता पर उनका कब्जा हो जाता है तो जटिल हालात बन जाएंगे। तुर्की और कतर से उनके नजदीकी रिश्तों से अरब देशों में नाराजगी है क्योंकि वे नहीं चाहते कि सीरिया में तुर्की और क़तर का प्रभाव बढ़े। कई जानकारों का मानना है कि जोलानी दूसरा असद बन सकते हैं और दूर तक सोचने वाले सीरिया के नागरिकों को भी यह चिंता है कि कहीं एक तानाशाह की जगह दूसरा तानाशाह न ले ले। बस फर्क सिर्फ इतना होगा कि नया तानाशाह इस्लामवादी होगा।

अवैध प्रवेश की कोशिश में बढ़ोतरी

कनाडा के रास्ते अमेरिका में अवैध प्रवेश की कोशिश करने वाले भारतीयों की संख्या में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच 22 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। कनाडा के रास्ते ऐसे कुल 1,09,535 प्रयास हुए, जिनमें 16 प्रतिशत में भारतीय शामिल थे। गुजरे हफ्ते राज्यसभा में इस प्रश्न का विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जवाब नहीं दिया कि क्या भारत से गैर–कानूनी ढंग से बाहर जाकर आश्रय मांगने वाले लोगों की संख्या में 800 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। सिंह ने कहा कि सरकार के पास इस बारे में कोई आंकड़ा नहीं है, क्योंकि ये लोग जिन देशों में जाते हैं, वहां की सरकारें उन्हें साझा नहीं करतीं। मगर उन्होंने यह जरूर कहा कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वे देश की प्रतिष्ठा गिरा रहे हैं। बहरहाल, अब एक आंकड़ा जरूर सामने आया है, जिसे भारत सरकार के नजरिए से देश के लिए अपमानजक कहा जाएगा। ये सूचना अमेरिका के कस्टम और सीमा सुरक्षा विभाग ने दी है।

उसके मुताबिक कनाडा के रास्ते अमेरिका में अवैध प्रवेश की कोशिश करने वाले भारतीयों की संख्या में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच 22 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। कनाडा के रास्ते ऐसे कुल 1,09,535 प्रयास हुए, जिनमें 16 प्रतिशत में भारतीय शामिल थे। उसके पहले वाले वर्ष में 30,010 भारतीयों ने ऐसी कोशिश की थी, जबकि उपरोक्त अवधि में यह संख्या 43,764 हो गई। और यह सिर्फ कनाडा के रास्ते हुए प्रयासों का आंकड़ा है और वह भी सिर्फ उनसे संबंधित है, जिन्हें ऐसी कोशिश करते हुए पकड़ा गया। अमेरिका में ऐसी घुसपैठ की सबसे ज्यादा कोशिशें मेक्सिको की तरफ से होती है। अब चूंकि अवैध आव्रजकों को देश से निकालना और अवैध आव्रजन रोकना निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की सर्वोच्च प्राथमिकता है, तो यह मुद्दा चर्चा में आया है। वैसे भारत से बड़े पैमाने पर अवैध ढंग से जाकर विदेश में बसने की कोशिश कर रहे हैं, यह आम जानकारी है। यह भी उल्लेखनीय है कि ऐसी कोशिशों अक्सर साधन संपन्न वर्ग के लोग शामिल होते हैं। क्यों? मान–अपमान की सोच से बाहर निकल सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। आखिर क्यों विदेश में बसाने के लिए 80 लाख रुपये तक एजेंटों को देने के लिए लोग तैयार हो रहे हैं? देश में मौजूद अवसरों के प्रति लोगों का विश्वास इतना क्यों डोल गया है, सोचने का मुद्दा यह है।

राम चरण की फिल्म आरसी में हुई दिव्येंदु शर्मा की एंट्री, पहली झलक आई सामने

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण अपनी आगामी फिल्म आरसी 16 (अस्थाई नाम) को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर के नजर आने की चर्चा बीते कुछ समय से काफी ज्यादा चल रही थी। इस बीच इस फिल्म में अब एक और सितारे की एंट्री हो गई है। वेब सीरीज मिर्जापुर में मुन्ना भैया का किरदार निभाने वाले दिव्येंदु अब राम चरण के साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

हाल ही में निर्माताओं ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। वृद्धि सिनेमाज के आधिकारिक एक्स पेज पर दिव्येंदु के फिल्म में काम करने की पुष्टि की गई है। साथ ही, निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी है कि फिल्म में उनके लिए खास तरह का किरदार तैयार किया गया है। इस एक्स पोस्ट में दिव्येंदु खतरनाक लुक में नजर आ रहे हैं। अभिनेता के फोटो के साथ पोस्ट में लिखा है, हमारे पसंदीदा मुन्ना भैया, उनके लिए खास तौर पर तैयार की गई शानदार भूमिका में बड़े पर्दे पर छाएंगे। इस पोस्ट पर लोग काफी ज्यादा उत्साहित नजर आए और उन्होंने दिव्येंदु को राम चरण के साथ पर्दे पर देखने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

फिल्म के निर्देशक बुची बाबू सना ने भी फिल्म में उनकी एंट्री पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमारे और आपके भैया....मुन्ना भैया...फिल्म में आपका स्वागत है...आइए धमाल मचाते हैं। आरसी 16 की बात करें तो इसे एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म माना जा रहा है।

पाताल लोक के दूसरे सीजन का हुआ ऐलान

जयदीप अहलावत और अभिषेक बनर्जी की लोकप्रिय वेब सीरीज पाताल लोक को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह सीरीज 15 मई, 2020 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी और इसमें कुल एपिसोड थे।पिछले लंबे समय से दर्शक इसके दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जो अब खत्म हो चुका है।दरअसल, लगभग 4 साल बाद पाताल लोक के दूसरे सीजन का ऐलान हो चुका है। इसके साथ पाताल लोक 2 से जयदीप की पहली झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।यह सीरीज जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, इंटरनेट तोड़ने के लिए हमारे हथौड़े का उपयोग करना।इसमें गुल पनाग, नीरज काबी, स्वास्तिका मुखर्जी, इश्वाक सिंह, निहारिका लायरा दत्त और ऋचा चतुर्वेदी जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है।

मध्यप्रदेश का सपना टूटा, मुंबई ने दूसरी बार जीता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव और अजिंक्य रहाणे की अहम पारियों की बदौलत सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के फाइनल में मुंबई ने मध्यप्रदेश को 5 विकेट से हराया। इस हार के साथ ही मध्यप्रदेश का पहली बार ट्रॉफी जीतने का सपना भी टूट गया है।इससे पहले 2010–11 में मध्यप्रदेश फाइनल में पहुंची थी। हालांकि, बंगाल ने तब मध्यप्रदेश को फाइनल में हराया था। दूसरी ओर मुंबई ने दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले मुंबई ने 2022 में ही ट्रॉफी उठाई थी।

रजत पाटीदार ने खेली कप्तानी पारी

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने सबसे ज्यादा 81 रन की पारी खेली। जवाब में मुंबई ने 17.5 ओवर में ही 5 विकेट खोकर टारगेट को चेज कर लिया।

मध्यप्रदेश की खराब शुरुआत

पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत खराब रही। अर्पित गौड़ ने 3 और हर्ष गवली ने 2 रन बनाए। उनके अलावा हरप्रीत सिंह भाटिया ने 15, सुभ्रांशु सेनापति ने 23, वेंकटेश अय्यर ने 17, राहुल बाथम ने 19 रन बनाए। त्रिपुरेश सिंह का खाता तक नहीं खुला। शिवम शुक्ला 1 के स्कोर पर रन आउट हुए। कप्तान रजत पाटीदार 40 गेंदों पर 81 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 6 छक्के ठोके।

पृथ्वी शॉ का नहीं चला बल्ला

175 रनों के टारगेट को चेज करने उतरी मुंबई को दूसरे ही ओवर में पहला झटका लगा। पृथ्वी शॉ ने 6 गेंदों पर 10 रन बनाए। 5वें ओवर में कप्तान श्रेयस अय्यर कैच आउट हुए। उन्होंने 9 गेंदों पर 16 रन की पारी खेली। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंदों पर 37 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 4 चौके भी लगाए।

फिल्म कन्नप्पा से महादेव शास्त्री के रूप में मोहनबाबू की पहली झलक आई सामने

मंचू विष्णु बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म कन्नप्पा में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने 24 फिल्म्स फैक्ट्री के बैनर तले किया है। इस फिल्म में बागी स्टार प्रभास, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, मलयालम स्टार मोहनलाल और अतिथि भूमिकाओं में सरथ कुमार सहित कई प्रभावशाली कलाकार हैं। 100 करोड़ रुपये के कथित बजट के साथ, कन्नप्पा मंचू विष्णु के करियर की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक है, जिससे प्रशंसकों के बीच काफी उम्मीदें हैं। फिल्म यूनिट ने हाल ही में मोहन बाबू का महादेव शास्त्री की मुख्य भूमिका वाला पोस्टर जारी किया है, जिसने दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। इस पोस्टर में मोहन बाबू भगवा रंग के कपड़े पहने हुए गंभीर नज़र आ रहे हैं। काजल अग्रवाल सहित विविध कलाकारों ने फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। कन्नप्पा शिव भक्त कन्नप्पा और उनकी कहानी का सिनेमाई रूपांतरण है। इस साल प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में फिल्म का टीजर प्रीमियर किया गया, जिसने काफी चर्चा बटोरी। स्टीफन देवसी द्वारा संगीत और एंथनी गोंसालवेज द्वारा संपादन के साथ, कन्नप्पा दिसंबर में तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ सहित सभी प्रमुख अखिल भारतीय भाषाओं में रिलीज़ होने वाली है।

यूपी ने तीन स्लॉट के लिए खिलाड़ियों को खरीदा

नई दिल्ली। यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के आगामी सीजन से अपनी कोर टीम को ही रिटेन किया। टीम ने अपनी मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जिसमें कप्तान एलिसा हीली और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल हैं।

हालांकि, इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल को रिलीज कर दिया था। फ्रेंचाइजी ने पिछले महीने इंग्लैंड की बल्लेबाज डैनी व्याट को गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से ट्रेड कर दिया था। यूपी वॉरियर्स 3.9 करोड़ के साथ मिनी ऑक्शन में उतरी। उसे तीन खिलाड़ियों का स्लॉट पूरा करना था। यूपी वॉरियर्स ने तीन ही खिलाड़ियों पर बोली लगाई और टीम के साथ जोड़ा।

मुंबई इंडियंस ने चार खिलाड़ियों को खरीदा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन बेंगलुरु में हुआ। इसमें महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन सीजन की विजेता मुंबई इंडियंस 2.65 करोड़ के साथ मिनी ऑक्शन में उतरी। पांच खिलाड़ियों के बचे स्लॉट के लिए मुंबई इंडियंस चुनिंदा खिलाड़ियों पर बोली लगाई और चार खिलाड़ियों को खरीदा।

ऑक्शन में खरीदे खिलाड़ीः–

नदिनी डी क्लर्क (साउथ अफ्रीका) 30 लाख

कमालिनी जी (भारत) 1.60 करोड़

संस्कृति गुप्ता (भारत) 10 लाख

अक्षिता महेश्वरी (भारत) 20 लाख

मुंबई इंडियंस (टक) द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ी–

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), पूजा वस्त्राकर, यास्तिका भाटिया, अमनजोत कौर, सैका इशाक, जिन्तिमनी कलिता, एस सजना, साइवर–ब्रंट, हेली मैथ्यूज, अमेलिया कर, क्लो ट्रायॉन, शबनम इस्माइल, कीर्तना बालाकृष्णा।

महिला प्रीमियर लीग का सफर

साल 2022 में शुरू हुई इस लीग के उद्घाटन सीजन में मुंबई इंडियंस ने उम्दा प्रदर्शन किया था। ऑलराउंडर से सजी टीम को हरमनप्रीत कौर ने लीड किया। 8 मैच में से 6 जीतकर लीग स्टेज समाप्त किया था और फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में मुंबई का सामना दिल्ली कैपिटल्स से हुआ जहां मुंबई ने बाजी मारी। दिल्ली को हराकर मुंबई लीग की पहली चैंपियन बनी।

दूसरे सीजन में भी फ्रेंचाइजी ने कप्तान हरमनप्रीत कौर पर ही भरोसा जताया और उन्हें टीम की कमान थमाई। दूसरे सीजन भी मुंबई ने खिताब के लिए दावा पेश किया लेकिन, एलिमिनेटर मुकाबले में आरसीबी के हाथों हार का सामना करना पड़ा और लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। लीग स्टेज में मुंबई ने 8 मैच में से 5 जीते और तीन गंवाए थे।

एक नजर

चोरी के आरोपी को देहरादून से किया गिरफ्तार

नई टिहरी । चंबा थाना के चोपड़ियाल गांव में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने देहरादून से गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया है। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। चंबा थानाध्यक्ष लखपत बुटोला के अनुसार बीती 9 दिसंबर को चोपड़ियाल गांव निवासी हर्षमणि डबराल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह अपने बच्चों के पास दिल्ली गए थे। मकान का ताला बंद था। जब वह बीती 4 दिसंबर को अपने घर चोपड़ियाल गांव लौटे तो पाया कि ताला टूटा था। घर से काफी सामान गायब था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करने के बाद एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देश पर टीम का गठन कर चोर की तलाश के लिए गहन जांच–पड़ताल शुरू की। जांच एसएसआई राकेश राणा को सौंपी।

बीते दिवस की रात्रि को मुखबिर की सूचना पर आरोपी 35 वर्षीय किशन रौतेला पुत्र विजय पाल रौतेला निवासी ग्राम रामपुर पोस्ट जाजल टिहरी गढ़वाल हाल किरायेदार मोथरोवाला रोड देहरादून को देहरादून से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी के दो लोहे के बक्से, सिलेंडर, तेल का कनस्तर व प्रेशर कुकर बरामद किया गया है। आरोपी को न्यायलय में पेश किया करने के बाद जेल भेज दिया गया है। आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस टीम में एसओ चंबा एलएस बुटोला, एसएसआई राकेश राणा, सुनील राणा और महेश कुमार आदि शामिल रहे।

नकोट मखलोगी के बेहतर निर्माण कामों को सराहा जा रहा

नई टिहरी । जनपद के विकास खंड चम्बा की ग्राम पंचायत नकोट मखलोगी के बेहतर व गुणवत्तायुक्त कार्यों की सराहना ग्रामीणों सहित पूर्व जनप्रतिनिधि कर रहे हैं। नकोट मखलोगी गांव निवासी पूर्व प्रधान दौलत सिंह मखलोगा का कहना है कि ग्राम पंचायत की निवर्तमान प्रधान विनिता मखलोगा ने गांव के पक्के रास्तों का निर्माण कराने के साथ ही उन पर रेलिंग भी लगवाई है। गांव के एक दर्जन से भी अधिक आवास विहीन लोगों को आवास योजना से आच्छादित कर पक्के आवासों का निर्माण कराया है। बरसाती नालों के निकास की भी गांव में सही व्यवस्था कराई है। ग्राम पंचायत के तहत नकोट बाजार में भी बीस लाख रुपये की लागत से राजीव गांधी पंचायत घर का निर्माण पूरा किया गया है। जिससे अब नकोट बाजार में आयोजित होने वाले किसी भी कार्यक्रम में परेशानी नहीं हो रही है। यह धनराशि मनरेगा व पंचायत राज विभाग से व्यय की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम सिंह रावत का कहना है कि नकोट बाजार में सामाजिक सरोकारों के लिए आयोजित कार्यक्रम के लिए पहले परेशानी होती थी। लेकिन अब भव्य पंचायत घर बनाया गया है। निवर्तमान प्रधान विनीता मखलोगा का कहना है कि गांव के विकास कामों के लिए चम्बा ब्लाक की प्रमुख शिवानी बिष्ट का भरपूर सहयोग मिला है। जिसके कारण सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया गया है।

व्यायाम शिक्षकों के पदों को समाप्त करने वाले शासनादेश का होगा विरोध

नई टिहरी । राजकीय शिक्षक संघ ने हाईस्कूल व इंटर कालेजों सहित नव सृजित व उच्चीकृत विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा सहित वाणिज्य, कृषि, संगीत जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों के पदों को समाप्त करने का पुरजोर विरोध करने का निर्णय लिया है। इस बाबत राशिसं के जिलाध्यक्ष दिलबर सिंह ने प्रन्तीय नेतृत्व को सम्बोधित अपने पत्र के माध्यम से कहा कि जिस प्रकार उत्तर-खण्ड के परिप्रेक्ष्य में तथा छात्रों की रुचि के अनुसार यह विषय उनके भविष्य निर्माण में अत्यधिक सहायक सिद्ध होते आ रहे हैं।

खासकर क्रीड़ा के क्षेत्र में छात्रों ने विभिन्न स्तरों पर सफलता के परचम लहराकर अपना व अपने विद्यालय के साथ–साथ उत्तराखण्ड का नाम रोशन किया है। उत्तराखण्ड में सीमित संशाधनों के अभाव में छात्रों को माध्यमिक स्तर पर विद्यालय में ही शारीरिक शिक्षा (व्यायाम) शिक्षक के रूप में एक उत्कृष्ट कोच व मार्गदर्शक उपलब्ध हो जाता है। लेकिन दुर्भाग्य से नये शासनादेश में शारीरिक शिक्षा (व्यायाम) के पद सृजन न किये जाने की व्यवस्था अत्यन्त अफसोसजनक है। इसी प्रकार वाणिज्य, कृषि, संगीत विषय भी खासकर उत्तराखण्ड की सामाजिक, सांस्कृतिक एंव भैगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर छात्रों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय हैं। रोजगार व भविष्य की सम्भावना के मध्यनजर इन विषयों में भी छात्रों के कैरियर चुनने के लिए माध्यमिक स्तर पर एक शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

शोपीस बना कांडा गांव में लगा टावर, नेटवर्क को भटक रहे ग्रामीण

रिखणीखाल के कांडा गांव में लगाया गया है बीएसएनएल का टावर इंटरनेट तो दूर काल करने के लिए भी लगानी पड़ रही है दौड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रिखणीखाल प्रखंड के सैकड़ों गांव आज भी नेटवर्क की तलाश में इधर–उधर भट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत कांडा में स्थापित किया गया भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) का टावर भी केवल शोपीस बनकर रह गया है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी विभागीय कार्यों में हो रही है।

क्षेत्रवासियों की शिकायत के बाद ग्राम पंचायत कांडा में मोबाइल टावर की स्थापना की गई थी। तीन माह पूर्व बीएसएनएल ने टावर को चालू कर बेहतर सेवाएं देने का वादा किया था। लेकिन, टावर लगने के बाद भी क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या जस की तस बनी हुई है। टावर की परिधि में आने वाले ग्राम बैडवाड़ी, चौड़, दियोड़, भैंस्यारौ, बीरोबाड़ी, जवाड़यूंरौल, जुई सेरा, खेड़ा, बैडवाड़ी, गजरोड़ा, बसुसेरा, तूंयू, सकनेड़ी व तुणीचौड़ के ग्रामीण नेटवर्क की तलाश में इधर–उधर भटक रहे हैं। ग्रामीण दिवाकर सिंह, शुभम, शीशपाल सिंह, सुरेशी देवी, गब्बर सिंह ने बताया किनेटवर्क की समस्या के कारण राजकीय प्रथमिक विद्यालय कांडा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय दियोड़, हाईस्कूल कांडा के इंटरनेट से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इंटरनेट चलाना तो दूर ग्रामीणों का अपनों से मोबाइल पर बात करना भी मुश्किल हो गया है। क्षेत्र पंचायत सदस्य कर्तिया विनीता ध्यानी ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में बीएसएनएल गढ़वाल मंडल मुख्यालय श्रीनगर के डीजी से वार्ता की है। उन्होंने जल्द ही समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया है।

रिखणीखाल के ग्राम पंचायत कांडा में लगाया गया बीएसएनएल का टावर जो इन दिनों शोपीस बनकर रह गया

पुलिस ने दिलवाई महिला से ठगी गई रकम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पेटीएम मॉल के नाम पर महिला से ठगी गई लाखों की रकम को पुलिस ने वापस दिलवाया है। इस दौरान पुलिस ने आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। इस संबंध में कोटद्वार निवासी सुगंधा शर्मा की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई, जिसमें उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि यदि वह आनलाइन पेटीएम मॉल में पैसा इंवेस्ट करते हैं तो उन्हें इसका बेहतर मुनाफा मिलेगा। बताया कि व्यक्ति की बातों पर भरोसा कर उन्होंने उसे 1.27 लाख रूपये भेज दिए। बताया कि रकम मिलने के बाद व्यक्ति ने उनका फोन नहीं उठाया। ठगी का अंदेशा होने पर उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की है। वहीं, तहरीर मिलते ही पुलिस ने बैंक से संपर्क कर महिला के खाते से निकली रकम को वापस दिलवाने में सफलता प्राप्त की। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने आमजन से साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कहा कि आमजन को ठगने के लिए साइबर अपराधी प्रतिदिन नए–नए तरीके अपना रहे हैं। ठगी होने पर उसकी शिकायत तुरंत पुलिस को दें।

दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर कवायद तेज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः गढ़वाल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर कवायद तेज हो गई है। फरवरी माह तक दीक्षांत समारोह आयोजित कराए जाने को लेकर विवि के अधिकारियों द्वारा योजना तैयार की जा रही है। इस संबंध में कार्यवाहक कुलपति प्रो एमएम रैथाण की ओर से विवि अधिकारियों की बैठक ली गई व आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए.दरअसल प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता है, लेकिन इस बार कुलपति के न होने से दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं हो पाया। विदित हो कि 30 अक्तूबर को कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद एक माह तक कुलपति का पद रिक्त रहा, जिस कारण दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं हो पाया। इधर छात्रसंघ पदाधिकारी लगातार दीक्षांत समारोह आयोजित करने की मांग कर रहे थे इस बीच कुलपति प्रो एमएम रैथाण के पद संभालने के बाद दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर उम्मीदें जगी हैं। शुक्रवार को प्रभारी कुलपति द्वारा छात्र अधिष्ठाता कल्याण समेत अन्य अधिकारियों की बैठक लेकर फरवरी माह में दीक्षांत समारोह आयोजित करने की बात कही। कहा कि इसके लिए सभी तैयारियों में जुटे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो एमएस नेगी ने कहा कि फरवरी अंतिम सप्ताह में दीक्षांत समारोह का आयोजन प्रस्तावित है। सब कुछ सही रहा तो भव्य रूप से दीक्षांत समारोह का आयोजन होगा। छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत राणा ने कहा कि छात्र मेरिट में आने की मेहनत करते हैं, ताकि उन्हें मंच से डिग्री मिल सके। दीक्षांत समारोह किसी भी छात्र के कॉलेज जीवन का महत्वपूर्ण क्षण होता है, लिहाजा विवि को दीक्षांत समारोह का आयोजन करना चाहिए।

परिषद ने उठाई गोल्डर कार्ड की विसंगतियों को दूर करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने गोल्डर कार्ड विसंगतियों को दूर करने की मांग की है। इस दौरान शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई। कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण को गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए। रविवार को राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार के परिसर में शाखा अध्यक्ष मुकेश रावत की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि न्यायालय ने शिक्षा विभाग को चयन वेतनमान पर एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि के लिए निर्देशित किया गया है। बावजूद विभाग की ओर से शिक्षकों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि नहीं दी जा रही है। गढ़वाल मंडल अध्यक्ष प्रकाश नेगी ने सभी कर्मचारियों को 10,16 व 26 वर्ष की सेवा पर अनिवार्य रूप से सेवाकाल में तीन एसीपी मिलने की मांग पर जोर दिया। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ पौड़ी के जिलाध्यक्ष डा.महावीर बिष्ट ने बताया कि विगत तीन माह से अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन से गोल्डन स्वास्थ्य कार्ड की कटौती की जा रही है। कहा कि राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से गोल्डन कार्ड भी नहीं बनाए जा रहे हैं। उन्होंने परिषद से इस प्रकरण पर अपने स्तर से करवाही करने का अनुरोध किया। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतन सिंह बिष्ट, राजकीय शिक्षक संघ दुगड्डा ब्लाक अध्यक्ष विपिन चौहान व सरदार नरेश ने गोल्डन स्वास्थ्य कार्ड की विसंगतियों के विस्तार से रखते हुए उनके निराकरण की मांग उठाई। इस मौके पर परिषद के शाखा कोटद्वार के उपाध्यक्ष संजय नैथानी, मुकेश रावत, धर्मेंद्र चौहान, प्रकाश नेगी, अजय बिष्ट, डा.महावीर बिष्ट, अमित कंडवाल, संतन बिष्ट, संजय नैथानी, कैलाश थपलियाल, राकेश नेगी, सतपाल सिंह, संजय रावत, प्यारे लाल बडोला, अखिलेश नेगी, श्याम गोडीयाल, जयपाल सिंह नरेश, संजय नैथानी, नारायण सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन ग्राम विकास अधिकारी संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान ने किया।

एसआर गढ़वाल ने जीता क्रिकेट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारःडाडामंडी में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे दिन का पहला मुकाबला एसआर गढ़वाल के नाम रहा। इस दौरान टूर्नामेंट देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ी हुई थी। आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ शिक्षक राजेश देवरानी व घनवीर रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। शिक्षक राजेश देवरानी ने कहा कि युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। मैच में आरसीएन नड्डा ने टास जीतते हुए पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लेते हुए 137 रन बनाए। टीम के मोहित ने सबसे अधिक 23 रन बनाए। इसके जवाब में एसआर गढ़वाल ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया। इस मौके पर गेंद मेला समिति के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद चौहान, जीतेंद्र नाथ, किशन चौधरी, दर्शन लाल चौधरी, जगदीश सिंह रावत, डा.नीन चौहान, सूर सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

पुल निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जहरीखाल के अंतर्गत देवलखेत के ग्रामीणों ने उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व में आश्वासन के बाद भी जहरीखाल के ग्राम देवलखेत को जोड़ने के लिए पलेन नदी में पुल निर्माण नहीं होने पर ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया है।

कहा कि वर्षाकाल में ग्रामीण गांव में ही कैद होकर रह जाते हैं। पूर्व में नदी पार करने के दौरान एक ग्रामीण की बहने से मौत भी हो गई थी। पुल के अभाव में ग्रामीण पलायन को मजबूर हो रहे हैं। कहा कि सरकार को जल्द ही पुल निर्माण को लेकर गंभीरता दिखानी चाहिए।

ग्राम देवलखेत के ग्रामीणों ने नदी में पहुंचकर शासन–प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। दुगड्डा से सेंधीखाल–ढौंटियाल मोटरमार्ग पर प्लेन नदी पर ग्राम देवलखेत, तोक खच्चरबाड़ी व कलेथा के लगभग तीस परिसर रहते हैं। बताया कि पलेन नदी के तट पर बसे इन गांव के लिए पुल नहीं होने के कारण वर्षा के तीन महीने वह घरों में ही कैद होकर रह जाते हैं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी बीमार व गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचाने में होती है। नौनिहालों का स्कूल जाना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीण नंदन सिंह नेगी ने बताया कि पूर्व में मुख्य मार्ग में जाने के लिए नदी पार करते समय उनके पिता की डूबने से मौत हो गई थी। बताया कि ग्रामीण पैदल पुल या ट्राली व्यवस्था के लिए लगातार सरकार से मांग उठा रहे हैं। लेकिन, अब तक सरकार ने उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण पलायन को मजबूर हो रहे हैं। कहा कि यदि जल्द समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो ग्रामीण आगामी किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। इस मौके पर ग्रामीण राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, ललित मोहन, दिवाकर घिल्डियाल, मोहनलाल, वीरेंद्र प्रसाद द्विवेदी, सुरेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, सोहनलाल द्विवेदी, कलावती देवी, रंजना देवी, जयंती देवी, माहेश्वरी देवी, लक्ष्मी देवी, कविता देवी, सरिता देवी, अंजू देवी, मंजू देवी, आशा देवी आदि मौजूद रहे।

प्रखंड जयहरीखाल में पलेन नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते देवलखेत के ग्रामीण

उत्तराखंड क्रांति दल ने फूंका सरकार का पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहर की समस्याओं को लेकर जारी उत्तराखंड क्रांति दल का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते हुए जल्द समस्याओं के निर-ाकरण की मांग उठाई। कहा कि प्रदेश की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देवी मंदिर के समीप धरने पर बैठे उक्रांद ने रविवार सुबह सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि उन्हें धरना देते हुए पांच दिन हो चुके हैं। लेकिन, अब तक कोई भी अधिकारी, सांसद या विधायक उनकी समस्या को सुनने तक नहीं पहुंचा। कहा कि उक्रांद नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, जल जंगल व पेयजल की समस्या को लेकर धरने पर डटा रहेगा। सामाजिक कार्यकत्ती राजाराम अण्थ्वाल ने कहा कि नगर निगम की ओर से सड़कों की मरम्मत तक नहीं करवाई जा रही है। जगह–जगह वार्डों में स्ट्रीट लाइट भी खराब पड़ी हुई है। पुतला दहन करने वालों में वरिष्ठ नेता डा.शक्तिशैल कपरवाण, केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत, केंद्रीय महामंत्री सत्य प्रकाश भारद्वाज, महानगर अध्यक्ष पुष्कर सिंह रावत, केंद्रीय उपाध्यक्ष जग दीपक सिंह रावत, संगठन मंत्री हरीश द्विवेदी, आंदोलन मोर्चा के प्रवक्ता विजय ध्यानी, केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह नेगी, केंद्रीय प्रचार मंत्री गुलाब सिंह रावत, हयात सिंह गोसाई, जिला महामंत्री जनार्दन ध्यानी, ओमप्रकाश घनशेला, मदन सिंह बिष्ट, शंकर दत्त गौड़, हरीश चंद्र ध्यानी, शंभू प्रसाद द्विवेदी, राकेश मोहन भट्ट, कृष्ण कुमार काला, विजयपाल सिंह, सुरेश पटवाल, संगीता रावत, लक्ष्मी देवी, अर्चना दुदपुड़ी, सरस्वती देवी, मायाराम पुरोहित, विक्रम सिंह, योगेंद्र नेगी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के देवी मंदिर में उत्तराखंड सरकार का पुतला दहन करते उक्रांद के सदस्य

नशा नहीं बेहतर भविष्य चुने युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी। नशा उन्मूलन के मंडलीय नोडल अधिकारी अखिलेश चंद्र चमोला ने गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह रौथाण के साथ बैठक कर नशा उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कुलपति से जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए विवि के परिसरों में गोष्ठी, निबंध, भाषण आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करवाने का अनुरोध किया। कहा कि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की ओर से नशा मुक्त शहर, गांव और नशा मुक्त आसपास की मुहिम शुरू की गई है। बताया कि आज का युवा अपने लक्ष्य से भटक कर नशा की ओर अग्रसर हो रहा है, जो कि देश और समाज के लिए चिंता का विषय है। गढ़वाल विवि के कुलपति ने चमोला की मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ विवि के परिसरों में भी छात्रों के लिए कार्यशाला, प्रदर्शनी, गोष्ठी आदि अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर चमोला ने कुलपति को अपनी लिखी पुस्तक भारतीय संस्कृति तथा नैतिक ऊर्जा के आयाम भेंटकर उनका आभार जताया।

बढ़ने लगी ठंड, रैन बसेरे व अलाव की हुई व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः दिसंबर के दूसरे सप्ताह से ठंड बढ़ने से नगर निगम प्रशासन सक्रिय हो गया है। यहां निगम द्वारा रैन बसेरे में पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ नगर क्षेत्र के 6 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है।

शीतलहर के चलने से अचानक बढ़ी ठंड बेघर व खानाबदोश लोगों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। ऐसे में निगम की ओर से ठंड से बचाव के लिए नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई। साथ ही सुभाष चंद्र छात्रावास में रह रहे अनाथ बच्चों को 83 कंबल स्वास्थ्य मंत्री के सहयोग से वितरित किए गए। सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी ने कहा कि सर्दियों को देखते हुए टीम का गठन किया गया है व सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। कर्मचारियों को अलाव जलाने के लिए उक्त स्थान तक लकड़ी पहुंचाने व जलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा निगम के रैन बसेरे में भी पर्याप्त रूप से रजाई, गद्दे, कंबल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यहां रात को रहने वाले जरूरतमंद लोगों का पंजीकरण भी निगम द्वारा किया जा रहा है। कहा कि पराग क्षेत्र वासियों के द्वारा आंचल डेयरी के समीप अलाव की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई थी, शुक्रवार से यहां भी अलाव की व्यवस्था निगम द्वारा की गई है।

मेडिकल कॉलेज बनाने को ग्रामीणों ने दी भूमि की अनापत्ति

नई टिहरी , नगर क्षेत्र के इणियां में मेडिकल कॉलेज की स्थापना को लेकर जिला प्रशासन ने प्रस्तावित भूमि पर निर्माण कार्य के लिए संबंधित ग्रामीणों की अनापत्ति प्राप्त कर ली है। अब प्रशासन भूमि का डिमार्केशन करने में जुट गया है। एनओसी मिलने के बाद 13.395 हेक्टेयर भूमि पर मेडिकल कॉलेज बनने का रास्ता भी साफ हो गया है। एसडीएम टिहरी को मेडिकल कॉलेज हेतु भूमि हस्तांतरण का नोडल अधिकारी नामित किया गया था। एसडीएम संदीप कुमार ने बीती 11 दिसंबर को जिलाधिकारी को पत्र भेजकर इणियां चिन्हित भूमि के संबंध में अपनी रिपोर्ट भेज दी है। जिसमें उन्होंने अवगत कराया कि 27 नवंबर को खेमड़ा गांव के ग्रामीणों की बौराड़ी मिलन केंद्र में हुई बैठक में निर्णय लिया था, कि कॉलेज निर्माण में उनकी कोई आपत्ति नहीं है। जिसका प्रमाणपत्र ग्रामीणों ने तहसीलदार टिहरी को उपलब्ध कराया है। रिपोर्ट के अनुसार इणियां में 8.586 हेक्टेयर भूमि टीएचडीसी और 4.809 हेक्टेयर भूमि उत्तराखंड सरकार के नाम दर्ज है। ऐसे में ग्रामीणों की एनओसी और सभी प्रक्रिया सही मिलने के चलते यहां पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा सकता है। अब डीएम के निर्देश पर चिन्हित भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग के नाम पर हस्तांतरण की प्रक्रिया का रास्ता भी साफ हो गया है। इस संबंध में विधायक किशोर उपाध्याय का कहना है कि इणियां में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की प्रक्रिया गतिमान है।

नई टिहरी में पुलिस चला रही सत्यापन अभियान

नई टिहरी । आने वाले नववर्ष को देखते हुए टिहरी पुलिस ने बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन काम जहां तेज किया है, वहीं विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग भी की जा रही है। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने जनपद के सभी थानाध्यक्षों को सत्यापन अभियान तत्परता से चलाने को निर्देशित किया है। एसएसपी के निर्देश पर इन दिनों टिहरी पुलिस के सभी थानाक्षेत्रों में नववर्ष को देखते हुए बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जा रहा है। जिसके तहत थाना चंबा एवं थाना थत्यूड़ ने होटलों की चेकिंग करने के साथ ही बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन का कार्य शुरू किया है। चंबा पुलिस ने आगामी क्रिसमस एवं नए वर्ष के पूर्व संध्या पर कानाताल, जड़ीपानी, मंसूरी रोड़ स्थित होटल, रिजार्टस एवं कैंप में नियुक्त स्टाफ कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन आदि की कार्यवाही की। एसएसपी के निर्देशों के क्रम में सभी थाना क्षेत्रों में सजग दृष्टि बनाये रखने के साथ ही रात्रि में ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों के लिए अलाव की भी व्यवस्था की जा रही है। एसएसपी ने थानाध्यक्षों से स्वयं मौके पर जाकर पुलिकर्मियों को मनोबल बढ़ाने के साथ ही सभी पुलिस कर्मियों को आम जनता से शिष्ट व्यवहार करने को भी निर्देशित किया है।

निबंध प्रतियोगिता में प्रिंसी रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए द हंस फाउंडेशन की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी केत हत प्रखंड द्वारीखाल के अंतर्गत राजकीय इंटर कालेज द्वारीखाल में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रिंसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रमाकांत डबराल व वन दरोगा शिव सिंह ने संयुक्त रूप से किया। सर्वप्रथम छात्र–छात्राओं की निबंध प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता में ग्यारहवीं कक्षा की कुमारी प्रिंसी ने प्रथम, नवीं कक्षा की कुमारी महक ने द्वितीय व आठवीं कक्षा के मयंक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में सीमा, बिजेंद्र सिंह, अनुज सिंह शामिल रहे। निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संजय कंडारी, कविता सजवाण, नरेंद्र कुमार, कमल उनियाल, सतीश बहुगुणा, नीलम रावत मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

खत्म हुई ट्रक चालकों की हड़ताल, मिली राहत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः विभिन्न मांगों को लेकर पिछले पांच दिन से चल रही ट्रक चालकों की हड़ताल रविवार दोपहर खत्म हो गई। इस दौरान सिद्धबली चौकी के समीप रोके गए ट्रकों व अन्य माल वाहन वाहनों की भी आवाजाही प्रारंभ हो गई है। हड़ताल के कारण पहाड़ में आवश्यक सामग्री की किल्लत होने लगी थी। ओवरलोडिंग के नाम पर शोषण का आरोप लगाते हुए ट्रक चालक, परिवार व स्वामियों ने हड़ताल कर दी थी। ट्रक चालक सिद्धबली मंदिर के समीप एकत्रित होकर शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। यही नहीं मैदान से पहाड़ जाने वाले भारी वाहनों को भी रोका जा रहा था। ऐसे में व्यापारियों ने भी ट्रक चालकों से हड़ताल समाप्त करने की अपील की थी। बावजूद इसके ट्रक चालक हड़ताल पर डटे हुए थे। रविवार दोपहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक व पुलिस की अन्य टीम मौके पर पहुंची और पहाड़ जाने वाले माल वाहक वाहनों को रोकने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। जिसके बाद ट्रक चालकों ने धरना स्थगित कर दिया।

हड़ताल के दौरान सिद्धबली के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रक

पौष माह की महापूजा में श्रद्धालुओं ने की भगवान रघुनाथ की पूजा

नई टिहरी । तीर्थनगरी देवप्रयाग में भगवान श्री रघुनाथ मंदिर में पौष माह में आयोजित होने वाली महापूजा की पूरी श्रद्धा व भक्ति के साथ शुरुआत हुई।

रविवार तड़के ही कड़कती ठण्ड में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचे। रविवार व पूर्णिमा होने से इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मन्दिर पूजा–अर्चना की। पौष माह में सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने के साथ ही पुरातन काल से ही देवप्रयाग तीर्थ पुरोहित समाज द्वारा भगवान रघुनाथ की महापूजा का आयोजन होता है। देवप्रयाग व बदरीनाथ तीर्थ पुरोहित समाज पूरे पौष माह में अपने आराध्य भगवान रघुनाथ का संगीतमय स्तुतियों के साथ पूजन करता है। सूर्योदय से पूर्व महापूजा सम्पन्न होने के बाद यहां प्रसाद रूप में खिचड़ी बांटी गयी। जबकि भगवान श्रीराम के भजनों का श्रद्धालुओ ने भावमय गायन किया। महापूजा का पहला दिन होने के चलते श्रद्धालु तड़के से ही मंदिर में भारी संख्या में उमड़ने लगे थे।

पुल निर्माण न होने से पैदल सफर करने को मजबूर ग्रामीण

नई टिहरी । भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गांव गेंवाली के ग्रामीण गेवाल गदेरे और जखाना पर पुल का निर्माण पूरा न होने से आज भी पैदल सफर करने को मजबूर हैं। हालांकि ग्रामीणों के लिए जखाना गांव से गेवाली तक 6 किमी सडक का निर्माण हो चुका है। पुल न बनने से ग्रामीणों में कार्यदायी संस्था के प्रति रोष बना हुआ है। सीमांत गांव गेवाली के 600 की आबादी वाले गांव को जोड़ने के लिए वर्ष 2018 में 6 करोड़ रुपये की लागत से सड़क का निर्माण करवा गया, लेकिन 6 किमी सडक पर पड़ने वाले तीन पुलों में से दो पुलों का निर्माण नहीं हो सका। जिससे ग्रामीणों को आज भी पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है। ग्रामीण बचन सिंह, कुंदन सिंह, विक्रम सिंह, कीर्ति सिंह, गोविन्द सिंह ने बताया कि, ग्रामीणों की ओर से बीते माह सड़क पर पुलों के निर्माण के लिए हड़ताल की गयी थी, उस समय विभाग ने जल्द ही पुलों के निर्माण कार्या की बात कही थी, लेकिन पीएमजीएसवाई की धीमी गति से पुलों पर कार्य पूरा नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने कहा कि, गेवाल गदेरे में ठेकेदार द्वारा दो अपर्टमेंट बनाये गये हैं, लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं किया गया, जबकि ग्रामीणों को आज भी गेवाल गदेरे से घोड़े–खच्चरों से जरुरी सामान पहुंचाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने डीएम से शीघ्र ही उक्त पुलों का निर्माण कार्य शीघ्र करवाने की मांग की है।

एक नजर

बेस अस्पताल में कैंसर और पैलिएटिव केयर ओपीडी आज

श्रीनगर गढ़वाल । राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर के बेस चिकित्सालय में कैंसर के मरीजों के लिए सोमवार को कैंसर और पैलिएटिव केयर ओपीडी लगेगी। जिसमें कैंसर स्पेशलिस्ट ऑन्कोलॉजी सर्जन डॉ. अजीत तिवारी पहुंचेंगे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि अस्पताल के इमरजेंसी के पास रूम नंबर 101 में ओपीडी संचालित है। जिसमें हर दिन पेन और पैलिएटिव की ओपीडी जारी रहती है। सोमवार को कैंसर स्पेशलिस्ट ऑन्कोलॉजी सर्जन डॉ. अजीत तिवारी ओपीडी में मरीजों को देखेगे।

भावी डॉक्टरों और आरएसएस ने चलाया स्वच्छता अभियान

श्रीनगर गढ़वाल । वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में रविवार को राष्ट्रीय मेडिकोस संगठन (एनएमओ) और आरएसएस ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस मौके पर भावी डॉक्टरों ने लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया। इस मौके पर कार्यक्रम के समन्वय डॉ. अमन भारद्वाज, डॉ. कैलाश गैरोला, डॉ. राजेंद्र शर्मा, डॉ. विक्की बख्शी, डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. कृतिका भारद्वाज, भूपेंद्र पाटवाल, प्रदीप रावत, प्रत्यक्ष, कनिष्का, मोहित सहित आदि ने विशेष सहयोग दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 194 वादों का निस्तारण

श्रीनगर गढ़वाल ।उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार पर बाह्य न्यायालय श्रीनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) श्रीनगर अलका ने किया। लोक अदालत में एमवी एक्ट, बैंकों से संबंधित वादों, प्री–लिटिगेशन,सहित विभिन्न प्रकृति के 194 वादों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर बार काउंसिल ऑफ उत्तर-खण्ड के सदस्य अर्जुन सिंह भण्डारी, बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूप श्री पांथरी, बखर एसोसिएशन श्रीनगर के अध्यक्ष प्रमेश जोशी, अधिवक्ता बलवीर सिंह रौतेला, ब्रह्मानन्द भट्ट, विकास पन्त, प्रदीप मैठाणी, देवी प्रसाद खरे, जगजीत सिंह जयाड़ा, विकास कठैत, आनन्द सिंह बुटोला, कविता मेवाड़, सोनाली जैन, भूपेन्द्र पुण्डीर, सुबोध भट्ट सहित आदि मौजूद थे।

भट्ट अध्यक्ष, खंतवाल बने महासचिव

देहरादून। भारत ज्ञान विज्ञान समिति उत्तराखंड का सातवां राज्य सम्मेलन रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में संपन्न हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन में राज्य के विभिन्न जिलों के करीब 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अंतिम दिन नई राज्य कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें विजय भट्ट अध्यक्ष और कमलेश खंतवाल महासचिव चुने गए। विजय ढौंडियाल, सुमन रावत एवं पीसी तिवारी उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष मनोनित हुए। उमा भट्ट, दिनेश धीमान, उदय किरोला और नीरज पंत सचिव बनाए गए। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी इंद्रेश नौटियाल को दी गई।

केदारनाथ की टिकट बुकिंग का झांसा दे 83 हजार ठगी के आरोपी पर केस

देहरादून। केदारनाथ धाम की हेली टिकट बुकिंग का झांसा देकर 83 हजार रुपये हड़पने के आरोपी के खिलाफ पटेलनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। धोखाधड़ी को लेकर अभिनव हजारा निवासी सालिटेयर अवेन्यू जीएमएस रोड ने तहरीर दी। कहा कि बीते एक अगस्त को गुप्तकाशी से केदारनाथ तक हेली टिकट के सिलसिले में उनका संपर्क जितेंद्र चौहान ने हुआ। आरोपियों ने बीते एक अगस्त और 16 सितंबर को पीड़ित से कुल 83 हजार रुपये गूगल पे के जरिए लिए। 22 अक्तूबर को गुप्तकाशी हेलीपैड से केदारनाथ तक सात लोगों का हेली टिकट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। तय तिथि तक आरोपी पीड़ित को हेली टिकट उपलब्ध नहीं करा पाया।

पांच मकान मालिकों के काटे 50 हजार के चालान

रुद्रपुर। थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने रविवार को क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाकर पांच मकान मालिकों के 50 हजार के चालान काटे। पुलिस को पांचों मकान में बिना सत्यापन के किरायेदार मिले। पुलिस के मुताबिक, एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर रविवार को थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम को पांच मकानों में बिना सत्यापन कराए किरायेदार मिले।

ओपीएस बहाली संयुक्त मोर्चे के ब्लाक अध्यक्ष बने शंकर सिंह पुंडीर

नई टिहरी । राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा जनपद टिहरी गढ़वाल ने विकासखंड भिलंगना में बैठक कर ब्लाक कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें शिक्षा विभाग से ब्लाक अध्यक्ष शंकर सिंह पुंडीर, स्वास्थ्य विभाग से महिला अध्यक्ष वंदना, ब्लाक सचिव विजय गुसाईं, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजलाल सैनी व संरक्षक डा मुकेश नैथानी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

बैठक में ओपीएस को लेकर सरकार के ठोस निर्णय न लेने वोट फोर ओपीएस अभियान चलाने की चेतावनी दी। रविवार को भिलंगना ब्लाक में जनपद टिहरी गढ़वाल के मोर्चे के अध्यक्ष राजीव उनियाल ने बैठक आयोजन किया। बैठक उपस्थित सभी को एकजुटता के साथ आंदोलन मे प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रांतीय समन्वयक लक्ष्मण सजवाण ने सभी मनोनीत पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने एक स्वर में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली सयुक्त मोर्चा के बैनर तले ओपीएस आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया। सरकार को ओपीएस बहाल नहीं करने की स्तिथि में उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी। संबोधन में जिला अध्यक्ष राजीव उनियाल ने समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पूरी टीम ईमानदारी और निष्ठा से पुरानी पेंशन बहाली के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। लगातार किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी सभी से साझा की।

लोक अदालत में हुआ विभिन्न वादों का निस्तारण

उत्तरकाशी । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी की ओर से शनिवार को जिला जज गुरु बख्श सिंह की अध्यक्षता में जिला न्यायालय परिसर उत्तरकाशी, पुरोला व बडकोट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न वादों का निस्तारण किया गया। शनिवार को जिला न्यायालय में जिला जज गुरुबख्श सिंह की अध्यक्षता में आयोजित लोक अदालत में 19 वादो का निस्तारण हुआ और 68,88,720 रुपये समझौता की धनराशि तय की गई। जबकि जय श्री राणा सिविल जज उत्तरकाशी की अलादत में 2 वादों का निस्तारण हुआ और प्री–लिटिकेशन के 25 मामलों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कर 10,89,900 रूपये समझौता धनराशि तय हुई। प्रकाश चन्द्र सिविल जज की अदालत में 7 वादों का सफल निस्तारण हुआ एवं 11,55,400/– रुपये समझौता धनराशि तथा चैरब बत्रा न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 21 वादों का निस्तारण हुआ 1374500 रुपये समझौता राशि तय हुई।

दो—दो मुख्यमंत्री की घोषणा पर भी नहीं मिला मालिकाना हक

नई टिहरी। टिहरी बांध निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले बांध विस्थापित ठगा महसूस कर रहे नई टिहरी, संवाददाता। टिहरी बांध विस्थापितों को दो–दो मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी अतिरिक्त स्पेस वाली भूमि का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। जिस कारण टिहरी बांध निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले बांध विस्थापित अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। पूर्व में विस्थापितों से अतिरिक्त स्पेस वाली भूमि का नियमितीकरण के लिए प्रस्ताव मांगे गए थे। पुनर्वास निदेशालय ने भी सर्वे का प्रस्ताव शासन को भेजा था। लेकिन लंबे समय बाद भी प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं मिल पाई है।

पुनर्वास निदेशालय ने समय–समय पर टिहरी बांध विस्थापितों को नई टिहरी, बौराड़ी, मोलधार, ढुंगीधार समेत शहर के अन्य स्थानों पर बांध विस्थापितों और प्रभावित को भूमि आवंटित की थी। पुनर्वास निदेशालय से विस्थापितों को भूमि विकसित कर देनी थी। लेकिन अधिकांश विस्थापितों को अविकसित भूमि दी गई। जिस भूमि को विस्थापितों ने विकसित कर अपने आवासीय और व्यावसायिक भवन बनाए हैं। लेकिन विकसित करने के बाद जो अतिरिक्त भूमि पर विस्थापितों के पास है,उसे प्रशासन अवैध मान रहा है। करीब दो साल पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने 2020 में अतिरिक्त स्पेस वाली भूमि का मालिकाना हक संबंधित विस्थापित को देने की घोषणा की थी। करीब एक साल पहले टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय के कहने अतिरिक्त स्पेस वाली भूमि का मालिकाना हक देने के लिए करीब 15 सौ लोगों ने आने आवेदन भी पुनर्वास निदेशालय में जमा करवाए थे। लेकिन लंबे समय बाद भी इन आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है।

उत्तरकाशी जिले में पुलिस ने 85 लोगों के चालान काटे

उत्तरकाशी । उत्तरकाशी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने शनिवार शाम को चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने नियमों के उल्लंघन और नशे व संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त कुल 85 लोगों के चालान काटे। पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर 70, जबकि नशे व अन्य संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त 15 लोगों के चालान कर नियमों का सख्ती से पालन की हिदायत दी। नशा, आपराधिक गतिविधियों व सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने को एसपी के निर्देशन में पुलिस का लगातार चेकिंग अभियान जारी है। बीते शनिवार को जनपद के सभी क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाते हुये पुलिस ने नशे तथा अन्य अवैध गतिविधि में लिप्त 15 लोगों

पर पुलिस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 70 लोगों पर चालानी कार्रवाई की गयी, जिसमें शराब पीकर वाहन चलाने पर दो वाहन सीज किये गये। ओवर स्पीड में वाहन चलाने पर 19, ओवरलोडिंग 12 जबकि अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 37 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गयी। चेकिंग के दौरान पुलिस द्वारा नाबालिगों के वाहन चलाते पकड़े जाने पर उनके परिजनों को सूचित कर चेतावनी दी गयी।

फायर सीजन का विरोध करेंगे वन बीट अधिकारी

उत्तरकाशी ।वन आरक्षी और वन बीट अधिकारी संगठन उत्तरकाशी की एक बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक में संगठन की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई तथा मांगों का लंबे समय से समाधान न होने पर चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तय की गई तथा आने वाले फायर सीजन के विरोध का फैसला लिया गया। जिला मुख्यालय में आयोजित बैठक में संगठन के प्रदेश महामंत्री अनिल चंद्र शाह ने कहा कि संगठन पदोन्नति, एसीपी निर्धारण, पूर्व नियमावली लागू करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन विभाग द्वारा मांगों की अनदेखी की जा रही है। ऐसे में संगठन ने चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है। बैठक में प्रांतीय सलाहकार मूर्तिलाल, ममराज बिघाणा, निर्मल सिंह, प्रकाश चंद शाह, अजय राणा, सुनील आर्य, शिवेंद्र चौहान, आलेंद्र, मोनिका रमोला, भीमराज कैंतुरा आदि मौजूद रहे।

अग्नि पीड़ित परिवारों को वितरित की राहत सामग्री

उत्तरकाशी ।बड़कोट नगर क्षेत्र के पुराने बाजार में अग्नि कांड से बेघर हुए पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद को हाथ आगे बढ़े हैं। शांतिकुंज से सम्बन्धित गायत्री परिवार द्वारा राशन, बिस्तर और बर्तन आदि पीड़ित परिवार को वितरित किए। वहीं बड़कोट व्यापार मंडल भी पीड़ित परिवार की मदद के लिए चंदा एकत्रित कर रहा है। गुरुवार की रात्रि को बड़कोट में लक्ष्मी नारायण मंदिर के निकट हुए अग्नि कांड में राकेश भंडारी का मकान पूर्ण रूप से आग की भेंट चढ़ गया था, जबकि सुखदेव चौहान, अवतार रावत, विनय रतूड़ी, चंद्रपाल की दुकानें पूरी तरह से नष्ट हो गई। अब इन दुकानदारों को रोजी रोटी का संकट गहरा गया है। विनय रतूड़ी बताते हैं कि वे टिहरी गढ़वाल से बड़कोट रोजगार की तलाश में करीब पांच साल पहले आए थे। उन्होंने किराए पर भंडारी भवन में फास्टफूड की दुकान खोली थी, लेकिन

दुकान अब आग की भेंट चढ़ गई है और रोजगार का संकट गहरा गया है। वहीं चंद्रपाल रावत बताते हैं कि वे उपराड़ी गांव के रहने वाले हैं। किसी तरह बच्चों का लालन पालन करने के लिए एक दुकान खोली थी और अब वह बेरोजगार हो गए हैं। अग्नि पीड़ितों की मदद के लिए शांतिकुंज से जुड़े मदन पैन्यूली ने बताया कि उन्होंने शांतिकुंज द्वारा दिए गए सामान को प्रभावितों को वितरित किया है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष धनवीर रावत ने बताया कि उन्होंने नगर के व्यापारियों से प्रभावितों को मदद की अपील की है।

10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो—2024 में राज्यपाल ने किया प्रतिभाग

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को परेड ग्राउंड में चल रही 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो–2024 के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। चार दिन तक चले इस आयोजन में देश–विदेश के कई आयुर्वेदिक विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजन स्थल पर लगे आयुर्वेद से संबंधित स्टॉलों का भ्रमण किया और जानकारी प्राप्त की। समापन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद की आदर्श भूमि, देवभूमि उत्तर-खण्ड अपनी प्राकृतिक संपदा, औषधीय पौधों के भंडार के लिए देश–दुनिया में प्रसिद्ध है, यहां पर आयुर्वेद कांग्रेस का आयोजन होना गर्व की बात है। राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव है बल्कि आयुर्वेद से भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों

का समाधान खोजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने आयुर्वेद कांग्रेस के सफल आयोजन के लिए विश्व आयुर्वेद फाउंडेशन, आयुष मंत्रालय और राज्य सरकार को बधाई दी और कहा इससे पूरी दुनिया को स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियों के समाधान को नया रास्ता मिलेगा।राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद को डिजिटल स्वास्थ्य तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक प्रणालियों के साथ जोड़ने पर केंद्रित यह आयोजन आयुर्वेद को न केवल अधिक सुलभ बनाएगा बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि इस 4 दिवसीय आयुर्वेद महाकुंभ में हमने विचारों, ज्ञान और नवाचारों का अद्भुत संगम देखा है। इस दौरान भारत एवं विश्व के कोने–कोने से प्रतिनिधियों, आयुर्वेदाचार्यों एवं विशेषज्ञों ने प्राचीन भारतीय चिकित्सा धरोहर आयुर्वेद को प्रसारित करने के लिए जो चितन और मंथन किया, निश्चित ही इस मंथन के अमृत परिणाम निकट भविष्य में वैश्विक फलक पर देखने को मिलेंगे। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन भारत के प्राचीन ज्ञान, आयुर्वेद और योग की शक्ति को वैश्विक स्तर पर व्यापकता प्रदान करने में सफल होगा। साथ ही हमारी समृद्ध विरासत, आयुर्वेद के ज्ञान को, आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर, और प्रभावी बनाकर विश्व कल्याण में और अधिक योगदान देगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्तर-खण्ड की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक विरासत इसे आयुर्वेदिक पर्यटन और समग्र चिकित्सा के लिए एक आदर्श स्थल बनाते हैं, आयुर्वेद कांग्रेस के आयोजन से यहां वेलनेस टूरिज्म को भी प्रोत्साहन मिलेगा। समापन समारोह में सचिव आयुष रविनाथ रामन, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे, महासचिव राष्ट्रीय आयोजन कमेटी प्रो. अनूप ठक्कर, राष्ट्रीय आयोजन सचिव डॉ. शिव कुमार, संयुक्त सचिव राष्ट्रीय आयोजन कमेटी प्रवीन रामदास, डॉ. के.डी. पुरोहित अध्यक्ष विज्ञान भारती उत्तराखण्ड सहित देश एवं विदेश से आये प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विजय दिवस भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक : राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने विजय दिवस के अवसर पर 1971 के युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित असाधारण वीरता, अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण किया है। विजय दिवस की पूर्व संध्या में जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि विजय दिवस भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। यह दिन न केवल 1971 के युद्ध की महान जीत का स्मरण कराता है, बल्कि उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से यह विजय सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि देश

का हर नागरिक इन वीर जवानों के प्रति गर्व और सम्मान की भावना से ओतप्रोत है।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय सेना का हर जवान हमारे राष्ट्र का गौरव है। उनकी निष्ठा, पराक्रम और बलिदान देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। हमारी सेना न केवल सीमाओं की रक्षा करती है, बल्कि देश के हर नागरिक में विश्वास और सुरक्षा का भाव भी भरती है। विजय दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम एकजुट होकर देश की प्रगति, सुरक्षा और संप्रभुता के लिए समर्पित और देश की सेना और उसके जवानों के प्रति अपना सम्मान और आभार व्यक्त करें।

निखिल बने वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर

पिथौरागढ़। सतगढ़ गांव निवासी निखिल कापड़ी एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बन गए हैं। शनिवार को पासिंग आउट परेड के बाद वे वायुसेना का हिस्सा बने। उनके ऑफिसर बनने पर ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की। निखिल ने इंटर तक की शिक्षा डॉन बॉक्सो से ग्रहण की।

बिष्ट पूर्व सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष चयनित

देहरादून। विलासपुर कांडली पूर्व सैनिक कल्याण समिति ने कप्तान (सेनि.) चन्दन सिंह बिष्ट को चौथी बार नर्विरोध समिति का अध्यक्ष चुना है। रविवार को विलासपुर कांडली में समिति की प्रबन्ध समिति का कार्यकाल समाप्त होने पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुवेदार भुवन चंद्र भट्ट की अध्यक्षता में समिति की बैठक कुई। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से बिष्ट को अध्यक्ष नियुक्त किया। बैठक से पहले दो मिनट का मौन रखकर समिति के प्रथम अध्यक्ष के निधन पर शोक जताया गया। नविनिर्वाचित अध्यक्ष बिष्ट ने सभी को सैनिकों, पूर्व सैसिकों और उनके परिवारजनों की समस्या को ध्यान में रखते हुए आगे कार्य करने पर जोर दिया।

नौकरी दो, नशा नहीं की आवाज उठाएंगे युवा

देहरादून। नौकरी दो, नशा नहीं की थीम के साथ भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने प्रमुख कार्यक्रम यंग इंडिया के बोल 5वें संस्करण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में देश के सामने खड़ी दो गंभीर समस्याओं बेरोजगारी में वृद्धि और युवाओं को बर्बाद कर रही बेकाबू ड्रग तस्करी पर चिंता व्यक्त की। कांग्रेस भवन में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया चेयरमैन देवेश उनियाल ने कहा कि बेरोजगारी और नशे के प्रसार की यह दोहरी समस्या समाज को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।

मोदी सरकार अपने दो करोड़ नौकरियों के वादे को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए भाजपा ने केवल चुनावी जुमलों और सतही उपायों का सहारा लिया है। युवा कांग्रेस ने युवाओं की इन चिंताओं को उजागर करने के लिए यंग इंडिया के बोल 5वें संस्करण की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों, पेशेवरों, जमीनी कार्यकर्ताओं और विभिन्न क्षेत्रों के राजनीतिक उत्साही युवाओं से आग्रह किया गया है कि वे अपनी आवाज उठाएं और सरकार तक अपनी बात पहुंचाएं। आईवाईसी एप के माध्यम से इस अभियान से जुड़ा जा सकता है। यंग इंडिया के बोल से जुड़ने के इच्छुक प्रतिभागियों को इन दोनों समस्याओं पर वीडियो भेजने होंगे।

उत्तराखंड के आकर्षण में खिंचे चले आए डेलीगेट्स

देहरादून। चार दिन के विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो के दसवें संस्करण में 12 हजार डेलीगेट्स के पहुंचने का आंकड़ा दर्ज हुआ है। इस विश्व स्तरीय आयोजन के इतिहास में डेलीगेट्स की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इस लिहाज से उत्तराखंड ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। इस आयोजन में 54 देशों की भागीदारी रही। 300 विदेशी डेलीगेट्स ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर आयुष के प्रति अपना प्रेम प्रदर्शित किया। पिछले वर्ष गोवा में आयोजित इस आयोजन के नौवें संस्करण में सबसे ज्यादा डेलीगेट्स पहुंचे थे। वहां पर 5102 डेलीगेट्स का पंजीकरण हुआ था। कोच्चि में आयोजित इस आयोजन के पहले संस्करण में 1800 डेलीगेट्स का ही पंजीकरण हुआ था। देहरादून उत्तराखंड में जब इस आयोजन का एलान हुआ, तब ही ये माना जा रहा था कि यहां रिकॉर्ड पंजीकरण हो सकते हैं। आयुष के लिहाज से सबसे समृद्ध राज्य होने को इसकी वजह माना जा रहा था।

ये अनुमान सही साबित हुआ है। देश विदेश के डेलीगेट्स ने उत्तराखंड आने में खास दिलचस्पी दिखाकर पंजीकरण का नया रिकॉर्ड रच दिया है। आयुष विभाग के अपर सचिव डॉ विजय जोगदंडे के अनुसार, इस आयोजन में कुल 12 हजार पंजीकरण हुए हैं। 54 देशों के 300 प्रतिनिधियों की भी आयोजन में भागीदारी हुई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान आयुष पर गहन चर्चा के साथ ही नई संभावनाओं पर भी बात हुई है।

विजय दिवस पर शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

अल्मोड़ा। जिला सैनिक एवं कल्याण पुर्नवास अधिकारी कर्नल विजय मनराल (अ.प्रा.) ने बताया कि भारत एवं पाकिस्तान के बीच माह दिसम्बर, 1971 में (पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश) लड़ाई लड़ी गई थी। उन्होंने बताया कि भारतीय फौज ने 14 दिनों के भीषण युद्ध के दौरान पाकिस्तानी फौज को पराजित किया। इस अभियान में कई वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं वीरता के लिए पूरे देश में 16 दिसम्बर को विजय दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि जनपद अल्मोड़ा में विजय दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक छावनी क्षेत्र (ईदगाह के समीप) में प्रातः 10:30 बजे से शहीदों को श्रद्धांजली देने का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने जनपद के लोगों से सहभागिता करने की अपील की है।

विद्यालय सुरक्षा एवं स्वच्छता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

अल्मोड़ा। विद्यालय सुरक्षा एवं स्वच्छता पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया है। कार्यशाला में जनपद अल्मोड़ा के समस्त विकासखंडों के 97 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्राचार्य डाइट गोपाल सिंह गैड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन की कल्पना को साकार करने के लिए हर विद्यालय में स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम संचालित किए जाने आवश्यक हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर प्रकाश पंत ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक और व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एस.डी.आर.एफ अल्मोड़ा तथा आपदा प्रबंधन विभाग के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा, स्ट्रेचर निर्माण विभिन्न प्रकार की आपदाओं के दौरान अपनाये जाने वाले उपाय, आपदा प्रबंधन से संबंधित उपकरणों की जानकारी भूकंप मॉक ड्रिल तथा घायलों को निकालने तथा उनको सुरक्षित चिकित्सालय तक पहुंचाने तक की समस्त गतिविधियों का अभ्यास इस प्रशिक्षण के दौरान कराया गया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में डॉक्टर सतीश भट्ट ने प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित उपकरणों प्राथमिक उपचार पेटिका तथा आपात स्थिति में अपनाये जाने वाले विभिन्न उपचारों की जानकारियां भी विस्तार पूर्वक प्रतिभागियों को दी। इस अवसर पर डॉक्टर नीलेश उपाध्याय, डॉ हरिवंश बिष्ट, डॉ सतीश भट्ट, प्रशासनिक अधिकारी उमेश चंद मिश्रा, डॉ गिरजा भूषण जोशी, संजय बिष्ट, चंद्रशेखर नेगी, प्रतिभा धपोला, मोईना कैलाश तिवारी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रकाश पंत ने किया।

पीपलकोट स्कूल का आशुतोष चित्रकला में अव्वल

पिथौरागढ़। मूनाकोट विकासखंड के जीआईसी पीपलकोट के छात्र आशुतोष ने जिलास्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानाचार्य मोहन चंद्र पाठक ने बताया कि एलडब्ल्यूएस बालिका इंटर कॉलेज में ऊर्जा संरक्षण विषय पर बीते रोज प्रतियोगिता हुई।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338